: 81,183.93 : 24,852.15

6,850

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सरयू राय के खिलाफ रांची में मामला दर्ज

RANCHI: विधायक सरयू राय के खिलाफ रांची में मामला दर्ज हुआ है। यह मामला अरगोडा थाना में बीते छह सितंबर को मनोज सिंह नाम के व्यक्ति के द्वारा कराया गया है। मनोज सिंह हरमू हाउसिंग कॉलोनी के रहने वाले हैं। बता दें कि आहार पत्रिका के प्रकाशन को लेकर मनोज के द्वारा केस दर्ज कराया गया है। इसमें 3.38 करोड़ से अधिक की राशि के हेरफेर का आरोप है। इस मामले में बीएनएसएस की धारा 403, 406, 408, 409, और 420 के तहत केस दर्ज हुआ है।

भारतीय थलसेना में शामिल किए गए 297 अधिकारी

CHENNAI: शनिवार को चेन्नई की अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में एक समारोह में 258 कैडेट अधिकारी और 39 महिला कैडेट अधिकारियों को भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों और सेवाओं में शामिल किया गया। ओटीए के परमेश्वरन ड्रिल स्क्वायर में आयोजित 'पासिंग आउट परेड' की समीक्षा सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राज सुब्रमणि ने की। ओटीए ने कहा कि मित्रवत देशों के दस कैडेट अधिकारी और पांच कैडेट अधिकारी (महिला) ने भी सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया। मित्रवत देशों के कैडेट के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सौहार्द और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिला है। कैडेट अधिकारी संस्थान में ह्यशॉर्ट सर्विस कमीशन कोर्सह्न के 118वें बैच तथा शॉर्ट सर्विस कमीशन कोर्स (महिला) के 32वें बैच और अन्य समकक्ष पाठ्यक्रमों से संबंधित थे। थल सेना उपप्रमुख ने अपने संबोधन में कैडेट अधिकारी और ओटीए कर्मियों की अनुकरणीय उपलब्धियों के लिए उनकी सराहना

कल भारत आएंगे अब् धाबा के क्राउन प्रस

NEW DELHI: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के रूप में उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। उनके साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि 9 सितंबर को अबू धाबी के क्राउन प्रिंस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का कार्यक्रम है। वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट भी जाएंगे। 10 सितंबर को क्राउन प्रिंस एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुम्बई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के व्यापारिक नेता भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत और यूएई के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

तेजस-सुखोई-30 ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

शनिवार को राजस्थानके जोधपुर में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सबसे बड़े अभ्यास 'तरग शक्ति' (फेज 2) का एयरफोर्स स्टेशन पर ओपेन डे शो हुआ। आसमान में भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30, तेजस और हेलीकॉप्टर प्रचंड ने करतब दिखाए। सूर्यिकरण के 9 हॉक्स विमान ने आसमान में तिरंगा बनाया और दर्शकों को रोमांचित

किया। इंडियन एयरफोर्स की एयर वॉरियर ड्रिल टीम के 28 मेंबर ने हाथ में राइफल लेकर म्यूजिक पर परफॉर्मेंस दी। इस दौरान उन्होंने राइफल से करतब दिखाते हुए डिफरेंट फॉर्मेशन बनाई। एयर वॉरियर ड्रिल टीम सुब्रतो इंडियन एयरफोर्स की इवेंट टीम है। सबसे पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस आसमान में उड़ा। तेजस ने करीब 10 मिनट तक आसमान में करतब दिखाए। 11 बजकर 16 मिनट पर लाइट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट तेजस ने तेज गर्जना के साथ एंट्री ली। सिग्नेचर मैन्युअर में आया और गोल घूमता हुआ आगे बढ़ा। करीब 10 मिनट तक तेजस ने आसमान में अलग-अलग मैन्युअर करते हुए आसमान को चीरते हुए लो लेवल 200

शनिवार को मणिपुर में अचानक

फिर हिंसा भड़क गई। जिरिबाम में

अलग-अलग दो घटनाओं में 5

लोगों की जान चली गई। पुलिस

के मुताबिक, पहली घटना जिला

हेडक्वार्टर से करीब सात

किलोमीटर दूर हुई। संदिग्ध पहाड़ी

पर उग्रवादियों ने एक घर में

घुसकर बुजुर्ग को सोते समय

गोली मार दी। मृतक की पहचान

कुलेंद्र सिंघा के रूप में हुई। वह

घर में अकेले रहते थे। दुसरी

घटना इसके बाद हुई। इसमें कुकी

और मैतेई समुदायों के बीच

फायरिंग हुई। इसमें 4 लोगों की

मौत हो गई। दूसरी तरफ, इंफाल

वेस्ट और इंफाल ईस्ट में शक्रवार

देर रात भीड़ ने मणिपुर राइफल्स

हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया।

गुस्साई भीड़ सुरक्षाबलों से

हथियार लटना चाहती थी। पलिस

ने सीआरपीएफ जवानों के साथ

मीटर की ऊंचाई पर करतब दिखाए।

तरं<mark>ग शक्ति अभ्यास</mark> सूर्य किरण के 9 हॉक्स विमानों ने धुएं से बना दिया तिरंगा मंत्रमुग्ध हो गए दर्शक, 24 देशों के 400 जवानों ने किया सामूहिक योग



तीन-तीन के सेट में एक के बाद एक तीन उड़ान भरते हुए बनाया तिरंगा

तेजस के बाद 11 बजकर 29 मिनट पर सूर्यकिरण के 9 हॉक्स ने उड़ान भरी। लाल रंग के हॉक्स विमानों को देखकर दर्शकों ने तालियां बजाई। तीन-तीन के सेट में एक के बाद एक तीन उड़ान भरते हुए तिरंगा बनाया। सूर्यिकरण के 9 हॉक्स विमानों ने यूथ को डेडिकेट करते हुए फॉर्मेशन बनाई। ११ बजकर ३१

मणिपुर में घर में घुसकर बुजुर्ग को उतारा मौत के घाट

जिरीबाम में फिर भड़की

हिंसा, पांच की गई जान

• कुकी-मैतेई के बीच

की मौत

फायरिंग में चार लोगों

राज्य में तनाव को देखते हए सभी स्कूलों-

कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। कॅमिटी

आन मणिपुर इंटीग्रिटी ने कानून-व्यवस्था

विरोध में काम बंद करने और जनता कपर्यु

का आह्वान किया है। इंफाल में सुबह से सभी

दुकानें बंद रहीं। सडकें और बाजार सुनसान

लागू करने में सरकार की विफलता के

मिनट पर सुखोई 30 एमकेआई ने रन-वे से जैसे ही उड़ान भरी दर्शक रोमांचित हो उठे। सुखोई दर्शकों के ऊपर से उड़ा और वापस लौटते हुए भी लोगों के पास से ही गुजरा। सखोई 92 रोल आउट घूमा और लेफ्ट से वापस एंट्री करते हुए लूप टनल योक मैन्युअर प्रजेंट करते हुए हाई स्पीड रन किया।

• सुरक्षा बलों और भीड़

के बीच संघर्ष में पांच

साल सितंबर में पहली बार ड्रोन हमला देखने

को मिला। इंफाल वेस्ट जिले के कोत्रक गांव

में 1 सितंबर को उग्रवादियों ने पहाड़ी के

ऊपरी इलाके से कोत्रक और कडांगबांड

और 9 घायल हए।

पुष्टि नहीं हुई है।

घाटी के निचले इलाकों में फायरिंग की और

ड्रोन से हमला किया। इसमें 2 लोगों की मौत

या गोला-बारूद लूटे जाने की कोई

२०२४ का दूसरा फेज

तरंग-शक्ति २०२४ का यह दूसरा फेज है। इससे पहले 6 से 14 अगस्त तक तमिलनाडु के सुलार में इसका पहला फेज पूरा हुआ था। इसमें 30 देशों के वायुसेना के जवान शामिल हुए थे। जोधपुर में हो रही इस एक्सरसाइज के दूसरे चरण में भारत, अमेरिका, ग्रीस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, जवान एयर-ट-एयर और एयर-ट-ग्राउंड एक्सरसाइज कर रहे हैं। 12 सितंबर को 12 देशों के एयर चीफ जोधपुर आएंगे। पहली बार जोधपुर के आसमान में दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी एयरफोर्स चीफ जनरल डेविड

जापान, सिंगापुर, श्रीलंका की वायुसेना के डब्ल्यू एल्विन तेजस उड़ाएंगे। फाइनल च<u>ार्जशीट</u>



सीएम केजरीवाल शराब नीति साजिश में शामिल

NEW DELHI: दिल्ली शराब नीति घोटाले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने अपनी जांच पूरी कर ली है। जांच एजेंसी ने राउँज एवेन्यू कोर्ट में अपनी पांचवी और आखिरी चार्जशीट दाखिल कर दी है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब नीति बनाने और उसे लागू करने की आपराधिक साजिश में शुरू से शामिल थे। वे पहले से ही शराब नीति के प्राइवेटाइजेशन का मन बना चुके थे। चार्जशीट के मुताबिक, मार्च 2021 में जब तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में शराब नीति तैयार की जा रही थी, तब केजरीवाल ने कहा था कि पार्टी को पैसों की जरूरत है। उन्होंने अपने करीबी और आप के मीडिया और संचार प्रभारी विजय नायर को फंड जुटाने का काम सौंपा था। केजरीवाल को दिल्ला शराब नाति स लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने 21

मार्च को गिरफ्तार किया था।

पलिस अधिकारी की पिटाई का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो लालपर थाने के अंदर का है। वीडियो शुक्रवार रात करीब 1:10 बजे का है। इसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति थाने में ही एक पलिस वाले की जमकर धनाई कर रहा है। कई और लोग थाने में

राजधानी रांची के लालपुर में एक

बैठे हुए हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी आगे आकर पलिस वाले को बचाने की कोशिश नहीं की। थोड़ी देर बाद एक दूसरा पुलिस वाला भी जब अपने साथी के पास

जाता है, तो उसके साथ भी वह

युवक धक्का-मुक्की करता है

और मारपीट करने लगता है।

बड़ी मुश्किल के बाद जब

अतिरिक्त पुलिस बल थाने में

पहुंचता है, तब दोनों युवकों को काबू में किया जाता है और उन्हें हाजत में बंद किया जाता है। हाजत में बंद करने के बावजूद दोनों युवक पुलिसकर्मियों को वर्दी

उतरवाने की धमकी देते रहे।

• रांची के लालपुर

सामने आया

वीडियो

थाना का मामला

🛮 हाजत में बंद करने

पर वर्दी उतरवाने

की दी धमकी

• पुलिस ने दोनों

जेल

युवकों को भेजा

एएसआड क बयान पर एफआडआर

दो युवकों ने थाने में ही

पुलिस अधिकारी की

कर दी जमकर धुनाई

पूरे मामले को लेकर लालपुर थाने में पदस्थापित एएसआई सुनील मुर्मू के बयान पर दोनों युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सुनील मुर्मू के अनुसार 6 सितंबर की रात 10 बर्जे से वे रात्रि गस्ती ड्यूटी में थे। रात के करीब 1 बजे एक सफेंद्र रंग की कार काफी तेज और लापरवाही के साथ लालपुर चौक की तरफ जा रही थी, जिसे चेकिंग के क्रम में रोका गया। कार के नंबर प्लेट के ऊपर सदस्य का बोर्ड भी लगा हुआ था। पलिसकर्मियों द्वारा जब कार चालक से कांगजात मांगे गए, तब वह मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से अभद्र भाषा में बातचीत करने लगा। अपने आप को राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता होने का हवाला देकर गाली-गलौज और 2 मिनट के अंदर वर्दी उतरवाने की धमकी देने लगा। बाद में अन्य प्रकामया क साथ कार सवार दोनों युवकों को काबू में कर थाने लाया गया। थाने के अंदर आने के बाद पार्टी से ताल्लुक नहीं रखते हैं।

कागजात फाड डाले। मौके पर मौजुद पुलिसकर्मी जब दोनों युवकों को कांबू में करने की कोशिश करने लगे, तब उसने पुलिस वाले की छाती, पीठ और चेहरे पर मुक्का चलाना शुरू कर दिया। एक बार तो एक युवक ने पुलिस वाले को दीवार पर भी पटक दरअसल वे किसी भी राजनीतिक

भाजपा पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति

दिया। इस मारपीट में लालपुर थाने के ओडी पदाधिकारी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। मारपीट करने वाले युवकों की पहचान रवि रंजन लकड़ा और विनोद लकड़ा के रूप में हुई है। पुलिस के काम में बाधा पहुंचाने, पुलिस के साथ मारपीट, गाली गलौज के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मारपीट का जो वीडियो बना है, उसे भी पुलिस ने सबूत के तौर पर रखा है। लालपुर पुलिस के एक अफसर से मारपीट करने के आरोप में जिन दो

उन्होंने पैलेट गन से कई राउंड और भीड़ के बीच रातभर संघर्ष भारत जोड़ो यात्रा ने मौन की सुंदरता से कराया रूबरू

मिलकर जवाबी कार्रवाई की। गैस के गोले भी दागे। सुरक्षाबलों

देश के हर कोने में सुनाई दे प्रेम की आवाज : राहुल

AGENCY NEW DELHI:

शनिवार को भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय स्वाभाविक रूप से प्रेम करने वाले लोग हैं और हमारा यह मकसद है कि देश के हर कोने में प्रेम की आवाज सुनाई दे। गांधी ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की सुंदरता से रूबरू कराया। मैंने उत्साही भीड़ और नारों के बीच



अपने साथ मौजूद व्यक्ति पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करना और उसकी बात सुनना सीखा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा, उन 145 दिन में और उसके बाद के दो वर्ष में, मैंने विभिन्न पृष्ठभूमि के हजारों भारतीयों की बात सुनी।

जेएनआईएमएस अस्पताल में भर्ती हरियाणा में कांग्रेस की

• हिंसा के दौरान पहली

से अटैक

बार किया गया है ड्रोन

हिंसा के बाद सभी स्कूल-कॉलेजों को किया गया बंद

पड़े रहे। मणिपर में 1 सितंबर से अब तक 7

दिनों के भीतर हिंसा की 4 बड़ी घटनाएं हुई

हैं। ७ सितंबर की घटना को छोड़ दें तो अन्य

तीन घटनाओं में 3 लोगों की मौत और 12

हिंसा में पहली बार ड्रोन से हमला मणिपुर में

मई २०२३ से हिंसा जारी है। हालांकि, इस

फायरिंग की। मॉक बम और आंस 🛘 चला। 5 लोगों के जख्मी होने की 🐧 कराया गया है। अभी तक हथियार

बात बताई जा रही है। उन्हें

घायल हुए हैं। करीब एक साल से जारी

२ लिस्ट जारी, ३२ नाम

CHANDIGARH : हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 6 सितंबर की देर रात दो लिस्ट में 32 उम्मीदवारों का ऐलान किया। पहली लिस्ट में 31 उम्मीदवारों का ऐलान किया गया। डेढ़ घंटे बाद दूसरी लिस्ट में एक कैंडिडेट का नाम घोषित किया। पार्टी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत अपने सभी 28 सिटिंग विधायकों पर फिर से भरोसा जताया है। पहली लिस्ट में 5 महिलाओं और 3 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट मिला है। पार्टी ने पहली लिस्ट में पानीपत की इसराना सीट के मौजूदा विधायक बलबीर सिंह वाल्मीकि के नाम का ऐलान नहीं किया था। डेढ़ घंटे बाद उनके टिकट की घोषणा अलग से की गई। शुक्रवार दोपहर ३.13 बजे कांग्रेस में शामिल हुई पूर्व रेसलर विनेश फोगाट को जुलाना से उम्मीदवार बनाया गया है।

पीएम ग्रामीण आवास योजना के तहत ११३१९५ आवासों का हुआ आवंटन

तीन साल बाद केंद्र ने झारखंड को दिया तोहफा

PHOTON NEWS RANCHI 3 साल बाद केंद्र सरकार ने झारखंड को तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवासों का आवंटन कर दिया है। केंद्रीय कैबिनेट में हुए फैसले में पूरे देशभर में तीन करोड़ पीएम आवास बनाने का लक्ष्य रखा गया था. उसी आलोक में सभी राज्यों के साथ-साथ झारखंड को भी लक्ष्य आवंटित किया गया है। इस बार भारत सरकार ने 113195 आवास बनाने का टारगेट राज्य सरकार को दिया है। इस संबंध में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की

ओर से आवंटन आदेश झारखंड को मिला है। सबसे अधिक पलामू, गढ़वा, गिरिडीह और रांची जिले को आवास आवंटित हुआ है।

राज्य ने शुरू किया है अबुआ आवास झारखंड सरकार ने 2020-21 में ही करीब बाद आठ लाख लाभुकों को आवास देने की 10 लाख लाभुकों की लिस्ट तैयार करके

भारत सरकार के पास भेजा था, जिसमें कहा गया था कि इनके पास अब भी पक्का मकान नहीं है, ये बेघर श्रेणी में हैं। केंद्र ने लिस्ट की यमीक्षा करते के बाद दो लाख अरोक्स लाभुकों के नाम लिस्ट से काट दिए। इसके

सबसे कम आवास निर्माण का

लक्ष्य कोडरमा व खंटी जिला को

मिला है। लक्ष्य प्राप्त होते ही ग्रामीण

बेघरों को मिलेगा आशियाना, दो-दो लाख रुपये की दी जाएगी राशि

मांग हुई। केंद्र ने इस पर शर्त लगाई कि पहले लंबित आवासों को पूरा करें, इसके बाद ही नया आवास आवंटित होगा। हालांकि राज्य सरकार ने दो लाख से अधिक लेंबित आवास को बनाने का काम तेजी से किया. पर अभी ३३ हजार आवास पेडिंग हैं।

चयन की प्रक्रिया फिर से प्रारंभ

करेगा। प्रत्येक लाभुक को आवास

बनाने के लिए दो-दो लाख रुपये

विकास विभाग योग्य लाभुक के की राशि आवंटित की जाएगी। जनसभा को किया संबोधित, दिया आश्वासन

नासा ने खराबी के चलते खाली वापस लाने का किया था निर्णय

सुनीता विलियम्स के बिना धरती पर लौटा स्पेसक्राफ्ट

GENCY NEW DELHI: एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और

उनके साथी बुंश विलमोर को स्पेस स्टेशन ले जाने वाला स्पेस क्राफ्ट ३ महीने बाद शनिवार को धरती पर सुरक्षित लौट आया। ३ बड़े पैराशूट और एयरबैग की मदद से इसकी लैंडिंग हुई। स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार सुबह 3:30 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से अलग हुआ था। इसको धरती पर आने में करीब 6 घंटे लगे। स्टारलाइनर ने 9 बजकर 15 मिनट पर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया था। तब इसकी गति करीब 2,735 किमी प्रति घंटा थी। यह सुबह 9 बजकर 32 मिनट पर अमेरिका में न्यू मैविसको के व्हॉइट सैंड स्पेस हॉर्बर (रेगिस्तान) में लैंड हुआ।

रेगिस्तान में 3 बड़े पैराशूट और एयरबैग की मदद से हुई स्टारलाइनर की लैंडिंग



सुरक्षित लौटने पर थी आशंका

बोइंग कंपनी ने नासा के लिए यह स्पेसक्राफ्ट बनाया है। 5 जून को सुनीता और बुच को भेजा गया था। यह सिर्फ ८ दिन का मिशन था, लेकिन इसके सुरक्षित लौटने पर आशंका थी। स्पेसक्रापट में तकनीकी दिक्कतों और हीलियम गैस के रिसाव की जानकारी सामने आई थी। नासा ने 24 अगस्त को बताया था कि स्टारलाइनर में सेफ्टी इश्यज की वजह से बुच और सुनीता को इससे वापस धरती पर नहीं लाया जाएगा

सुनीता ने जताई खुशी

स्टारलाइनर की सेफ लैंडिंग के बाद स्पेस स्टेशन में मौजूद सुनीता विलियम्स ने खुशी जताई। उन्होंने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा- आप लोग बेहतरीन हैं। बोइंग की लैंडिंग कमांडर लौरेन ब्रेंकी ने सोशल मीडिया पर लिखा- स्टारलाइनर सुरक्षित घर आ गया है। इसने क्या शानदार लैंडिंग की। नासा के पूर्व एस्ट्रोनॉट गैरेट रीसमैन ने सीएनएन से कहा कि नासा का खाली स्पेस क्राफ्ट को लाने का फैसला बिल्कुल सही है। रीसमैन फिलहाल इलॉन मस्क की स्पेसएक्स् से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भले ही स्टारलाइनर सुरक्षित लैंड कर गया है मगर इसकी सेंफ लैंडिंग को लेकर लेकर कोई भी निश्चित नहीं था।

पहली महिला यात्री

नासा ने 2011 में अपने स्पेस शटल प्रोग्राम को बंद कर दिया था। इस प्रोग्राम के तहत नासा ने 1981 से 2011 तक अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक पहुंचाया था। हालांकि, 2003 में हुए हादसे से दुनिया का स्पेस शटल पर भरोसा डगमगा गया। ये वही हादसा था जिसमें भारतीय मूल की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की मौत हो गई थी। स्पेस शटल प्रोग्राम बंद होने के बाद से अमेरिका आईएसएस तक पहुंचने के लिए रूस के सोयूज स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल करता है। हालांकि, दोनों देशों में बिगड़ते रिश्तों के बीच अमेरिका रूस पर निर्भरता खत्म करना चाहता है।

पीएम ने नेशनल टीचर अवार्ड विनर्स से की बात

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल टीचर्स अवार्ड विनर्स से मुलाकात की। इस साल 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया जाएगा। पीएम ने कहा-आज के युवाओं को विकसित भारत के लिए तैयार करने में टीचर्स की अहम जिम्मेदारी है। मोदी ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर भी चर्चा की। इस दौरान तमिलनाडु से आई एक टीचर ने बताया कि, उनके इलाके में कई लोग लोकल लैंग्वेज में पढ़ना चाहते हैं। इस पर पीएम ने कहा– हमारे बीच तो यही भ्रम है कि तमिलनाडु में सब इंग्लिश जानते होंगे। इसीलिए नई शिक्षा नीति में मातु भाषा पर जोर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 सितंबर को देशभर के 82 शिक्षकों को यह अवार्ड दिया था। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा था कि शिक्षकों को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और उद्यमी भी हों। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना ही सफलता है, लेकिन जीवन की सार्थकता दूसरों के कल्याण में भी है।

जम्म कश्मीर का राज्य का दजो होगा बहाल : गृह मत्रा

शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलौड़ा टाप में जनसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत यह पहला चुनाव है। शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है। कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के



निरस्त होने के बाद राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत हो रहा चुनाव

मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे। उन्होंने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर पुरानी व्यवस्था को पुनर्जीवित करने का

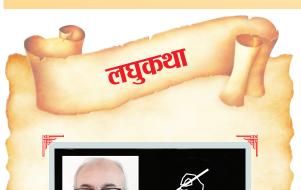
प्रयास करने का आरोप लगाया।

THE PROTON REMS

www.thephotonnews.com

Sunday, 08 September 2024





मक्खी और राजा का सिंहासन

राजा ने एक दिन देखा कि उसके रत्नजड़ित सिंहासन पर कई मिक्खयाँ बैठी हुई धींगामुश्ती कर रही हैं। राजा आग-बबूला हो गया। उसके सेवक उसके आते ही सिंहासन पर कपड़ा मारकर इत्र का छिड़काव करने लगे। राजा बैठा तो इधर-उधर जाकर बैठ गयीं ढीठ और निडर मिक्खयाँ कभी उसकी नाक पर, कभी उसके हाथ पर बैठकर सरगोशी करने लगीं। राजा तंग-तंग हो गया। उसने मंत्री को आवाज लगायी - यह क्या हो रहा है ? हमारे सिंहासन पर और मेरे आसपास नामुराद मिक्खयाँ भिनभिना रही हैं, क्यों ? मंत्री ने एक विद्वान दरबारी सलाहकार से पूछा। सलाहकार ने कहा कि मक्खियाँ हमेशा गंदी चीजों पर ही भिनभिनाती हैं। मंत्री ने यही बात राजा को बता दी। राजा दहाड़ उठा तो क्या मेरा सिंहासन गंदा है....मेरा दरबार साफ-सुथरा नहीं है.....मैं क्या नहा-धोकर नहीं रहता हूँ।

उसने आदेश जारी कर दिया कि राज्य में हर कहीं मौजूद मक्खियों को मारने के इंतजाम किये जायें।

राजा के आज्ञा पालन में पूरा महकमा भिड़ गया। राज्य में विकास के हो रहे सारे काम रोक दिये गये। कई तरह के रसायन के छिड़काव किये जाने लगे, खुले में थूकने और पेशाब-पाखाना करने पर रोक लगा दी गयी। फिर भी मक्खियाँ इधर-उधर भिनभिनाती ही रहीं। राजा ने मुनादी पिटवा दा कि प्रजा माक्खया मारन में जुट जायें। जो जितनी मिक्खयाँ मारकर लायेगा उसे उतने मोहरे दिये जायेंगे।

प्रजा मक्खियाँ मार-मारकर लाने लगीं। अपना काम-धाम, पेशा-रोजगार छोड़कर मक्खियाँ मारने में ही उसे ज्यादा फायदा नजर आने लगा। जिस मुलाजिम को मरी हुई मक्खियाँ गिनने के काम में लगाया गया, उसे घिन से बार-बार उल्टियाँ होने लगीं। मक्खियों का पहाड़ बन गया। मुलाजिम ने गुस्से में बिना गिनती किये और बिना देखे मोहरे बांटने लगा।

कुछ ही दिन बाद राजा के पास यह शिकायत पहुंच गयी कि मोहरे बांटने में भ्रष्टाचार हो रहा है। राजा ने एक जांच कमिटी गठित कर दी कि सारी मरी हुई मक्खियों की गिनती हो और उस हिसाब से बांटे गये मोहरों का मिलान किया जाये। कमिटी नाक पर मास्क लगाकर दुर्गध दे रही मक्खियों की गिनती करने लगी। कई साल गुजर गये, गिनती पूरी नहीं हो सकी। गिनती गिनने वाले कई मुलाजिम बीमार होकर मर गये। यह काम अभी भी जारी है। नये नये भर्ती किये गये मुलाजिम मक्खियाँ गिन रहे हैं और मर रहे हैं। राजा के सिंहासन पर अब भी मिक्खयाँ भिनभिना रही हैं। सलाहकारों का मन ही मन मानना है कि गंदगी सिंहासन में नहीं राजा में है।



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी की यात्रा का रोमांच

घुमक्कड़ की पाती

पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर देश के सबसे लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में आता है। भगवान जगन्नाथ का मंदिर पूरी दुनिया में फेमस है। इस मंदिर में दर्शन के लिए लोग देश के कोने-कोने से आते हैं और भगवान जगन्नाथ के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त करते हैं। इस मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा होती है और उनके साथ बडे भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भी विराजमान हैं। इस मंदिर की एक और खास बात यह है कि विश्व की सबसे बड़ी रसोई इसी जगन्नाथ मंदिर में है, जिसमें हर दिन करीब

> 25000 लोगों के लिए प्रसाद-भोग बनता है। इस जगह पर आकर यहाँ के पर्यटन स्थलों को देखने के साथ-साथ मैंने प्राकृतिक वातावरण का भी भरपूर आनंद लिया। इस जगह पर आकर मुझे काफी अच्छा लगा और मैं खुद को कई तरह से समृद्ध कर पाया। आप भी इस जगह पर जाने की चाह रखते हैं, तो मेरी ही तरह तीन दिन की यात्रा प्लान कर सकते हैं।



गवान जगन्नाथ की नगरी पूरी देश के सबसे लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में गिनी जाती है। इसकी वजह से देश भर के श्रदालु इस जगह पर भी देख पाए। आकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। इस जगह पर आकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन के अलावा में निहित भुवनेश्वर स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर, सफेद शेर, भगवान बौद्ध का धौलागिरि मंदिर और आसपास की मौजूद गुफाओं को देखने के लिए

जाते हैं। मेरी प्राथमिकता भी इन्हीं

सब जगहों को देखना था। फिर

क्या था मैंने भुवनेश्वर के लिए

दिल्ली से ट्रेन पकड़ी और

भुवनेश्वर पहुंच गया। पुरी स्थित

जगन्नाथ मंदिर देश के सबसे

लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में आता

है। भगवान जगन्नाथ का मंदिर पूरी

दुनिया में फेमस है। इस मंदिर में

दर्शन के लिए लोग देश के कोने-

कोने से आते हैं और भगवान

जगन्नाथ के प्रति अपनी श्रद्धा और

आस्था व्यक्त करते हैं। इस मंदिर

में भगवान जगन्नाथ की पूजा होती

है और उनके साथ बड़े भाई

बलभद्र और बहन सुभद्रा भी

विराजमान हैं। इस मंदिर की एक

और खास बात यह है कि विश्व

की सबसे बड़ी रसोई इसी जगन्नाथ

मंदिर में है, जिसमें हर दिन करीब

25000 लोगों के लिए प्रसाद-भोग

बनता है। इस जगह पर आकर

यहाँ के पर्यटन स्थलों को देखने के

साथ-साथ मैंने प्राकृतिक वातावरण

का भी भरपूर आनंद लिया। इस

जगह पर आकर मुझे काफी अच्छा

लगा और मैं खुद को कई तरह से

समृद्ध कर पाया। आप भी इस

जगह पर जाने की चाह रखते हैं,

तो मेरी ही तरह तीन दिन की यात्रा

उन्होंने राजपाट छोड़कर बौद्ध धर्म के कई शिलालेख मौजूद हैं।

लिंगराज मंदिर में पौराणिक कथा का चित्रण

यह मंदिर 1400 वर्ष से भी कहीं

प्लान कर सकते हैं। हमने अपनी यात्रा का पहला दिन कोणार्क का सूर्य मंदिर देखने में बिताया, इसके साथ ही साथ हम जैन मुनि की खंडगिरि गुफा और चिल्का झील

कलिंग युद्ध की गाथा धौलागिरि

भुवनेश्वर से धौलागिरि हिल्स की दरी लगभग 10 किमी है। इस जगह की प्रासंगिकता कलिंग और मौर्य साम्राज्य के बीच हए विशाल युद्ध की वजह से है। कलिंग युद्ध के बाद ही मौर्य साम्राज्य के सम्राट अशोक को विरक्ति हुई थी और ग्रहण कर लिया था। इस जगह पर आकर आपको अद्भुत शांति का अनुभव होगा। इस जगह पर आपको शांति के प्रतीक के रूप में पैगोडा आदि देखने को मिल जाएँगे। इस जगह पर आने वाले सैलानियों को बुद्ध के चरण के निशान वाले पत्थर भी देखने को मिलते हैं। इस जगह पर अशोक

इसी तरह भुवनेश्वर का लिंगराज मंदिर मुख्य शहर से करीब 20 किमी की दुरी पर स्थित है। भगवान शिव और विष्णु के त्रिभुनेश्वर रूप को इस मंदिर में दिखाया गया है। आप पुरी घूमने का विचार बनाते हैं, तो आपको इस मंदिर में दर्शन करने के लिए जरूर आना चाहिए। यह मंदिर काफी खुबसुरत और भव्य है। बताया जाता है कि लिंगराज का

कोणार्क का सूर्य मंदिर देश के सबसे बड़े सकता है। यह मंदिर बहुत ही शानदार और लोकप्रिय धार्मिक स्थलों में गिना तरीके से बनाया गया हैं। सूर्य भगवान को समर्पित इस मंदिर के भीतर सूर्य भगवान जाता है। यह हिंदू धर्म का एक बहुत ही पवित्र और प्राचीन मंदिर हैं। कोणार्क का की प्रतिमा लगी हुई है। इसके साथ ही सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर की मंदिर के भीतर एक रथ भी बना हुआ है। सची में वर्ष 1984 में शामिल किया था। इस रथ में 12 पहिए लगे हुए हैं, जिसे 7 इस मंदिर की खूबसूरती और वास्तु को घोड़े खींच रहे हैं। इस रथ के ऊपर सूर्य

IIIII ans filli

हैरान कर देगा कोणार्क मंदिर का वास्तशिल्प

यह जगह मुझे बहुत अच्छी लगी और हम जैन मुनि की खंडगिरि गुफा देखने के लिए निकल पड़े। खंडगिरि भुवनेश्वर से कुछ ही दूरी पर स्थित एक गुफा समूह है। यह गुफा समूह एक ऊंची सी पहाड़ी पर स्थित है, जिसमें कुल 18 गुफाएं हैं। इसी तरह से एक गुफा समूह उदयगिरि के नाम से भी है, जिसमें कुल 15 गुफाएं हैं। बताया जाता है कि इन गुफाओं को राजा खारवेल ने ईसा पूर्व में

देखकर कोई भी चकित हुए बिना नहीं रह

हिस्से में कुछ मंदिर भी बनाए गए थे। इन गुफाओं को अलग अलग नामों से जाना जाता है। इनमें अलग–अलग चित्र भी आपको देखने के लिए मिल जाएंगे। अनंत गुफा, सर्प गुफा, व्याघ्र गुफा आदि गुफा में आपको कई प्रकार के चित्र देखने को मिल जाएँगे। एक गुफा से दूसरी गुफा में जाने के लिए सीढ़ियाँ

पुराना है। पौराणिक कथाओं के अनसार, देवी पार्वती ने इस जगह पर दो असुरों का वध किया था। इस जगह पर ही एक नदी भी बहती है, यह भी उसी समय की बताई जाती है।

चंद्रभागा नदी के पानी में औषधीय गुण: तीसरा दिन और

आखिरी दिन हमने चंद्रभागा देखा। चंद्रभागा समुद्रतट भुवनेश्वर का एक बहुत ही खूबसूरत स्थल है। इस जगह पर जाकर आप प्राकृतिक सुंदरता का अद्भृत नजारा देख सकते हैं। इस जगह पर समुद्र की उछलती लहरों को देख कर झील देखने का प्लान बन गया। चिल्का झील को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील कहा जाता है। यह हमारे देश भारत की सबसे बड़ी झील है। इस जगह पर आकर आप यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के साथ साथ चिल्का झील में बोटिंग का भी मजा ले सकते हैं। यह झील करीब 70 किमी से अधिक लम्बी हैं। इस जगह पर सबसे अधिक लोग इस झील में पायी जानी वाली डॉल्फिन को

हमने दम जगह गर लाही थन्छ। समरा

बिताया और लौटने के कम में चिल्का

प्वाइंट पर जाने के लिए आपको बोट से तकरीबन ९० मिनट का सफर करना होता है। इस जगह से आप डॉल्फिन को आसानी से देख सकते हैं। इस झील में एक आइलैंड भी बना हुआ है। बोट इसी आइलैंड या टापू पर रुकती है। हमने शाम को खाना खाकर अच्छे से आराम किया और दूसरा दिन का सफर नंदन कानन से शुरू किया और हमने भगवान बुद्ध का धौलागिरि हिल्स देखा और लिंगराज मंदिर का दर्शन किया।

सफेद बाघ के लिए लोकप्रिय नंदनकानन

चिल्का झील की मनोहारी छटा कर देगी मुग्ध

नंदनकानन चिड़ियाघर भुवनेश्वर में स्थित है और करीब 400 हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस चिडियाघर में तरह-तरह के दुर्लभ प्रजाति के जानवर देखने को मिलते हैं। बताया जाता है कि इसमें 126 से भी कहीं अधिक प्रकार के जानवरों की प्रजाति है। इस जगह का प्राकृतिक वातावरण भी काफी लाजवाब है। इस

और दुर्लभ प्रजाति के पेड़-पौधे भी देखने को मिल जाएँगे। नंदन कानन को अपने यहाँ पाए जाने वाले सफेद बाघों की वजह से जाना जाता है। इस चिड़ियाघर में सफेद बाघ के अलावा पंगोलियन, घड़ियाल, लुप्तप्राय रटेल और हिप्पो आदि

जगह पर घूमते हुए आपको कई हरे-भरे

आपका मन खुश हो जाएगा। इस जगह पर कई तरह की वाटर एक्टिवटी भी होती है, आप चाहें तो उसका भी हिस्सा बन सकते हैं। इस जगह पर आप बोटिंग, मोटर राइड और तैराकी का आनंद ले सकते हैं। चंद्रभागा नदी इस जगह से महज दो किमी की दरी पर है। ऐसी मान्यता है कि इस नदी के पानी में नहाने से चर्म रोग तक ठीक हो जाते हैं। इस जगह पर आकर मन को असीम शांति का अनुभव हुआ और इस यात्रा के अनुभव को मैंने हमेशा-हमेशा के लिए अपनी स्मृतियों में सहेज लिया।

📭 हेश कुमारे भारत सरकार को बरसों से दुहते आए हैं, पूरे देश के हर आलीशान हिंदी सम्मेलन में इनकी उपस्थिति उसी तरह अनिवार्य होती है, जैसे नाई और पंडित के बिना सनातन विवाह सुचारू रूप से सम्पन्न नहीं हो पाते। बस दोनों के मन में एक टीस रह गयी थी कि कभी विश्व हिंदी सम्मेलन में भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल में नहीं जा पाए थे। साल भर साहबों के घर बुके और मिठाई भेजने के बावजूद अंतिम लिस्ट में उनका नाम नहीं आ पाता था। लेकिन बिल्ली के भाग्य का छींका टूटा। हिंदी के एक बड़े लेखक प्रेमिल प्रथम की पत्नी का देहावसान सम्मेलन के ठीक तीन दिन पहले हो गया था।

वैसे तो हिंदी के वो विद्वान घोर सनातनी थे और पिछले करीब दो दशक से निरन्तर दुनिया भर में होने वाले हर सम्मेलन में भारत सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर जाते रहे थे। वो इस बार का मौका भी नहीं छोड़ने वाले नहीं थे, वो तेरहवीं तक के झंझट में रुकने वाले नहीं थे, तीन दिन में शॉर्टकट तरीके से क्रिया-कर्म करके निकल जाना चाहते थे। उनका तर्क था कि पत्नी तो जा ही चुकी है, सो सम्मेलन में जाना क्यों मिस कर दिया जाए। तभी किसी ने उन्हें समझाया कि सरकार में उनकी छवि घोर सनातनी व्यक्ति की है, यदि उनके तीन दिन के शार्टकट के क्रिया-कर्म करने की खबर किसी ने वायरल कर दी तो सरकार की फजीहत होगी। अब अगर सरकार की फजीहत हुई तो कायदे से उनकी भी फजीहत होनी तय है। अब जब सरकार ही उनसे नाराज हो जाएगी तो वो न सिर्फ आगामी हिंदी सम्मेलनों से वंचित हो सकते हैं, बल्कि अपनी सनातनी और राष्ट्रवादी छवि से जुड़े हर प्रकार के लाभों से हाथ धो सकते हैं। काफी सोच-विचार कर उन्होंने विदेश में होने वाले हिंदी सम्मेलन में जाने का विचार त्याग दिया और अपनी पत्नी के क्रिया-कर्म करने के लिए तेरह दिन के विधि-विधान को चुना, ताकि उनकी घोर सनातनी और राष्ट्रवादी छवि न सिर्फ बनी रहे, बल्कि और भी मजबूत हो जाए। काफी सोच-समझ कर बरसों से अपनी चेलाही और चरण वंदना कर रहे मोहेश कुमारे की गोटी फिट कर दी। आखिर मोहेश कुमारे ने जुगाड़ फिट कर लिया औ? वो हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए विदेश जाने

वालों की लिस्ट में आ ही गए। ये खबर कन्फर्म होते ही वाट्सएप पर उन्होंने स्टेटस लगाया 'गोइंग फॉर हिंदी, कॉनक्वयरेरीइंग फॉर हिंदी'। जिस तरह सिकन्दर दुनिया जीतने निकला था, उसी तरह ये हजरात हिंदी को जीतने निकले थे, पहला स्टेटस अंग्रेजी में लगाकर, दरअसल उन्होंने अंग्रेजी ब्रांड की नीट स्कॉच लगाकर ही ये स्टेटस





लगाई थी। मोहेश कुमारे फिजी पहुंचे, वहां भारतीय दल के लिए परम्परागत इंतजाम किए गए थे। मोहेश कुमारे ने कसम खा ली थी कि इस बार वो हिंदी दल में सिर्फ अंग्रेजी शराब पीएंगे और एरिस्ट्रोकेट कल्चर ही दिखाएंगे। क्योंकि उनके दल के जो मुखिया थे, वो मन से पूरे अंग्रेज थे, उनका नाम था मैथ्यू हेलेन मोहन, उनके मां-बाप दोनों केरल के क्रिस्टानी थे, लेकिन वो मोहन सरनेम क्यों लगाते थे, ये बात उतनी ही हैरानी की थी, जितनी कि जूही चावला दुनियाभर के पुरुषों को गंजेपन से निजात पाने के लिए केशिकंग की वकालत करती हैं, जबिक उनके पति को केशिकंग की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे लोग जो रंगत में भारतीय थे, मगर मन से पूरे अंग्रेज। उनके दादा अंग्रेजों के जमाने में न तो जेलर थे और न ही टेलर, फिर भी उन्हें भी अंग्रेजियत की विरासत का जदीद गुमान था। वो खुद को अंग्रेज समझते हैं और अंग्रेज उनको खांटी हिंदुस्तानी। तो फिर मोहेश कुमारे ने फेसबुक पर रोमन में स्टेटस लगाया 'हमारी चलती है, सबकी जलती है'।

विदेश के हिंदी सम्मेलन सत्तर की फिल्मों के कुंभ के भाइयों के बिछड़ने फिर उनके मिलने की तरह स्थायी हैं। जैसे सबको पहले से पता होता है कि आखिर में कुंभ के मेले में बिछड़े भाई मिलेंगे ही, उसी तरह सबको पता है कि सरकार किसी की हो, हिंदी सम्मेलन कहीं भी हो रहा हो, जाएंगे वही दस-बीस चुनिंदा लोग। वही लोग तब तक विदेश के हिंदी सम्मेलनों में जाते रहेंगे, जब तक भगवान को प्यारे न हो जाएं। इस बार एक सज्जन की पत्नी भगवान को प्यारी हो गयीं, तो एक स्थान रिक्त हो गया तो उन्हीं की तरह उनके चेले मोहेश कुमारे का नम्बर लग गया। प्रेमिल प्रथम जी अपनी बैठकों में सीना ठोंक कर कहा करते थे कि सरकार किसी की भी हो सिस्टम तो अपना ही है, और हम या हमारे लोग ही विदेशों में होने वाले हिंदी सम्मेलनों में जाते रहेंगे। विदेश में

आयोजित हिंदी सम्मेलनों में भारत से गए हुए अहिन्दी भाषी प्रान्तों के अधिकांश लोग हिंदी बोलने वाले प्रान्तों से गए लोगों से अंग्रेजी में बात करते हैं। इनके लिए हिंदी का मतलब हिंदी फिल्में हैं और उसके कुछ लोकप्रिय गाने बजा या चला देने से इनकी हिंदी सेवाओं की इतिश्री हो जाती है। इन सम्मेलनों में आम तौर पर भारतीय और शाकाहारी भोजन ही परोसे जाते हैं, जिन्हें देखकर मोहेश कुमारे की त्योरियां चढ़ गयीं। वो तो इस समुद्री देश में जी भर के सी-फूड खाने आए थे, प्रॉन और फ्रॉग खाकर तृप्त होना चाहते थे, लेकिन यहां तो मंदिर के भंडारे की तरह उन्हें शुद्ध सात्विक भोज ग्रहण करना पड़ रहा है। उन्होंने सोचा कि पता नहीं सरकारें साहित्यिक आयोजनों में नॉनवेज और शराब क्यों नहीं देतीं, एक बार जब सरस्वती वंदना हो जाती है तो वो नॉनवेज क्यों नहीं खा सकते, उन्हें अपनी सोच पर गर्व हुआ और आयोजकों के नॉनवेज न परोसे जाने पर खिन्नता। हिंदी सम्मेलन में सबसे पहले राम की शक्ति पूजा का पाठ रखा गया। इतनी

लम्बी कविता सुनकर उनका मन खिन्न हो गया। मन ही मन कुढ़ते हुए बोले- 'भले ही इस गवर्नमेंट ने मुझे यहां हिंडी को रिप्रेजेंट करने को भेजा है, लेकिन ये प्रो सनातनी गवर्नमेंट में मुझे ये ओल्ड पोइट्री भी झेलनी पड़ेगी, ये नहीं सोचा था'। उन्हें हिंदी के साहित्यकारों की शुद्ध हिंदी सुनकर बहुत उलझन हो रही थी, उन्होंने एक फाइल उठा ली और उस फाइल की आड़ में पेन घुमाने लगे, जिससे देखने वालों को लगे कि वह कोई कविता के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर फाइल में कोई जरूरी नोट लिख रहे हैं। थोड़ी देर तक ऐसा करने के बाद उनको लगा कि सभी की तवज्जो अब उनकी उंगलियों की तरफ से हट गयी है और लोगों को तस्कीन हो गयी है कि वो कविता के महत्वपूर्ण बिंदु नोट कर रहे हैं, जबकि वो प्रॉन, फ्रॉग और स्कॉच के बारे में सोच रहे थे।

ये तो वही मिसाल हो गयी थी-

'वो इश्क पर कर रहे हैं संजीदा गुफ्तगू मैं क्या बताऊँ मेरा कहीं और ध्यान है'।

कविता सत्र खत्म हुआ तो भरनाट्यम का एक छोटा सा सत्र रखा गया। जिस होटल में वो रुके थे रात को उस होटल के नाईट क्लब में एक डांसर ने शकीरा का प्रसिद्ध डांस 'हिप्स डोंट लाई' करके दिखाया था, बल्कि वो खुद भी डॉन्स स्टेप और ताल पर ताल मिलाते रहे थे। उनके दिमाग में तो शकीरा और उनका लाउड म्यूजिक चल रहा था और यहां पर उन्हें भरतनाट्यम झेलना पड़ रहा था। मरता क्या न करता की तर्ज पर उन्हें न सिर्फ भरनाट्यम देखना पड़ रहा था, बल्कि सम्मेलन में उपस्थित जन समूह को भरतनाट्यम पर ताली बजाते देख कर बीच-बीच में

उनको भी ताली बजानी पड़ती थी। उन्हें परदेस में हिंदी कविता का इतना लंबा सत्र और भरतनाटयम का नृत्य देखने को बाध्य होने पर बेहद ग्लानि हुई, ये सब देखने-सुनने की विवशता पर उनके आंसू निकल पड़े। लोगों ने उनके आंसू देखे तो वाह-वाह... कहना शुरू कर दिया। नृत्य -संगीत की इतनी समझ, इतना गहन रसास्वादन, इतनी आत्मीयता से डूबकर सुनना, लोगों ने उनकी समझ-संवेदना की मिसाल दी। उन्हें मल्ला नसरूद्दीन याद आ गए, जो किसी शास्त्रीय संगीत के प्रोग्राम में गए थे, गायक ने जब लंबे-लंबे आलाप भरने शुरू किए, तो थोड़ी देर बाद मुल्ला नसरुद्दीन की आंखों से आंसू बहने लगे। लोगों ने शास्त्रीय संगीत की रंगत में डूब जाने और उस पर आंसू निकल आने पर मुल्ला की खूब तारीफ की। मुल्ला के संगीत से आत्मसात होने के कारण रोने-सुबकने की वजह पूछी तो मुल्ला नसरुद्दीन ने कहा झ 'गायिकी नहीं, मैं तो ये सोचकर रो रहा था कि जब ये गायक मर जाएगा तो इसके बीवी-बच्चों का क्या होगा, क्योंकि जिस तरह से ये आलाप भर रहा था, उसी तरह पिछले महीने मेरा बकरा भी लंबे-लंबे आलाप भर रहा था और वो चल बसा। उसी तरह ये गायक भी ठीक मेरे बकरे की तरह आलाप भर रहा है, सो अब ये भी नहीं बचेगा'।

मुल्ला की सच्चाई सुनते ही लोग उनकी लानत-मलानत करने लगे। लेकिन यहाँ सच्चाई इसके उलट थी, इनसे किसी ने पूछा नहीं बस अनुमान लगा लिया। जिस तरह हमारा मीडिया किसी शादीशुदा हीरोइन के बच्चों की दुकान में घुसते ही आयडिया लगा लेता है कि वो प्रेग्नेंट है। उसी तरह फ्रॉग-स्कॉच मिलने में हो रही देरी और ग्लानि से सुबकते मोहेश कुमारे के आंसू देखकर किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। भारत का मीडिया विदेश से आयी हुई खबरों को वेरीफाई किए बिना तिल का ताड़ बनाता ही है, सो खबर उड़ गई कि हिंदी की दशा और दिशा से दुखी होकर फूट-फूट कर रोए, विदेश में हो रहे हिंदी सम्मेलन में अहिंदी भाषी, हिंदी प्रेमी साहित्यकार मोहेश कुमारे। रातों रात उनकी प्रसिद्धि दिन दूनी रात-चौगुनी बढ़ी। मंत्रालय में उन्हें प्रमोशन देकर किसी बड़े पद पर बैठाने को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने ये सब सुनकर खुद को शाबासी दी कि अच्छा हुआ वो कि कविता और भरतनाट्यम का पूरा प्रोग्राम वो झेल गए और अपने ग्लानि के आंसुओं की सच्चाई किसी को नहीं बताई, वरना उनकी समझ की भी कायदे से लानत-मलानत होती, मुल्ला नसरुद्दीन की तरह ही। अपने अभिनय और भाग्य पर इतराते हुए उन्होंने फ्रॉग फ्राई को मुंह में डाला और स्कॉच को चूमते हुए बोले 'आई लव हिंडी'।

Sunday, 08 September 2024

O BRIEF NEWS कांके में हुई फायरिंग के मामले में तीन अरेस्ट

RANCHI: रांची पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। कांके में फायरिंग करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में मनोज व नेतालाल शामिल हैं। इन लोगों ने कांके इलाके में कल देर शाम फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिसके नाम पर हथियार का लाइसेंस है। इसके अलावा एक दूसरे मामले में दो जमीन दलालों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार जमीन दलालों के नाम राशिद अंसारी और विजय हैं। गिरफ्तार सभी लोगों से कांके थाने की पुलिस फिलहाल पूछताछ कर रही है।

189 सहायक अवर निरीक्षकों का ट्रांसफर

RANCHI: शनिवार को पुलिस मुख्यालय झारखंड ने 189 सहायक अवर निरीक्षकों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। ये विभिन्न जिला बल और इकाई में पदस्थापित थे। पुलिस मुख्यालय ने संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि स्थानांतरित किये गए सहायक अवर निरीक्षक को उनके नव पदस्थापित जिला/इकाई के लिए अविलंब विरमित करते हुए इसका अनुपालन रिपोर्ट मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। हालांकि इन कर्मियों को स्थानांतरन यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पांच गिरफ्तार



RANCHI: सुखदेवनगर नगर थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक गली से ब्राउन शगर की खरीद बिक्री करते पांच युवक गिरफ्तार किये गये हैं। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए आर्यन कुमार सिंह, गौतम कुमार यादव, शैलेश कुमार उर्फ गांधी, हर्ष कुमार और हिमांशु को गिरफ्तार किया है। इन सभी के पास से 15 119 ग्राम ब्राउन शगर बरामद किया गया। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र सिथित अखिल मेमोरियल स्कल सेन्टल बैंक गली में अवैध रूप से नशीले पदार्थी का खरीद बिक्री की सचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस टीम के द्वारा छापामारी की गयी। पुलिस बल को देख भागने के क्रम में हिमांश यादव उर्फ लालु यादव, आर्यन कुमार सिंह। गौतम कुमार यादव को पकड़ा गया। पकड़े गये इन तीनों अभियक्तों के द्वारा स्वीकार किया गया कि प्लास्टिक की पुड़िया में नशीला पदार्थ ब्राउन शगर है। इन अभियुक्तों के निशानदेही पर हर्ष कुमार शर्मा के घर पर छापामारी की गयी और वहां से हर्ष और शैलेश को

कनहर बराज प्रोजेक्ट की फाइनल रिपोर्ट पर उठाया सवाल

पलामू व गढ़वा में खेतों को कब मिलेगा पानी : हाईकोर्ट

शनिवार को झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक पछा कि पलामु एवं गढ़वा में किसानों के खेतों को कब तक पानी मिलेगा प्रस्तावित कनहर बराज प्रोजेक्ट रिपोर्ट को फाइनल कर कब तक केंद्र सरकार को भेजेंगे ताकि

हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा कनहर प्रोजेक्ट के लिए और 8 साल मांगे जाने संबंधी शपथ पत्र को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार जल्द से जल्द कनहर बराज प्रोजेक्ट के एनवायरमेंटल क्लीयरेंस, फॉरेस्ट क्लीयरेंस, जमीन अधिग्रहण आदि कार्यों को निष्पादित करें। जिससे केंद्र सरकार से फंड मिल सके। खंडपीठ ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि अगर

एचईसी के पुराने मजदूर नेता राणा संग्राम का निधन

RANCHI: एचईसी के सबसे पुराने मजदुर नेता और इंटक के जाने माने राष्ट्रीय वरीय सचिव



चल रहे थे। राणा संग्राम सिंह के पार्थिव शरीर को पारस अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। उनका अंतिम संस्कार रविवार को धुर्वा स्थित सिठियो मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे होगा। यूनियन लीडर के धुर्वा स्थित आवास से मुक्तिधाम तक सुबह 10 बजे शव यात्रा निकाली जायेगी। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के संयुक्त महामंत्री लीलाधर सिंह ने राणा संग्राम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राणा संग्राम सिंह के निधन के साथ मजदूर आंदोलन के एक युग की समाप्ति हो गयी। उन्होंने कहा कि उनकी आखिरी इच्छा थी कि एचईसी का एक बार फिर से पुनरुद्धार करे।

इगारखण्ड उच्च त्यायालय

सरकार का जवाब सटीक नहीं आता है तो मुख्य सचिव को कोर्ट में उपस्थित होना होगा। खंडपीठ ने मौखिक कहा कि वर्ष 2009 से यह जनहित याचिका चली आ रही है लेकिन इसके बावजूद प्रोग्रेस नहीं हुआ है। पहले मामला कनहर डैम और कनहर बराज को लेकर फंसा रहा है। पैसों की भी बबार्दी हुई। लेकिन कनहर बराज के काम की प्रगति आज भी वही है। बता दें कि

गढ़वा, पलामू के लोगों को पानी उपलब्ध करने के लिए कनहर बराज बनवाने का आग्रह करते हए हाईकोर्ट में विधायक भानु प्रताप शाही की ओर से जनहित

सोना-चांदी व्यवसाय समिति का चुनाव आज



बैठक में शामिल सर्राफा व्यावसायी।

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को सर्कुलर रोड स्थित होटल रेनडियु के सभागार में सोना-चांदी व्यवसाय समिति रांची के निर्णायक मंडल के सदस्यों की आवश्यक बैठक हुई। समिति के पूर्व अध्यक्ष विजय बर्मन की अध्यक्षता बैठक में निर्णय लिया गया कि रविवार को चर्च रोड के स्वर्ण कलश भवन में होने वाले सोना-चांदी व्यवसाय समिति का चनाव स्वच्छ तरीके से होना चाहिए। सोना चांदी व्यवसाय समिति के पूर्व अध्यक्ष विजय बर्मन, पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिलीप सोनी पूर्व सचिव सुरेश प्रसाद ने संयुक्त बयान देते हुए रांची

समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण

उरांव, उपाध्यक्ष हेमन्त गाड़ी, संयुक्त

सचिव पंकज टोप्पो, हरम् सरना

समिति के अध्यक्ष विक्की कच्छप.

केंद्रीय सदस्य लक्ष्मण तिर्की एवं

समिति के सदस्य आश्रिती कच्छप.

निशि कच्छप, रिमीन कच्छप,

अर्शिता उरांव, कोमल उरांव, संजय

उरांव, अनमोल खलखो, जयश्री

उरांव, प्रवीण उरांव सहित अन्य

से आग्रह किया कि स्वर्ण कलश चर्च रोड में होने वाले सोना चांदी व्यवसाय समिति के चुनाव में हिस्सा लें। ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष चुनकर लाएं जो व्यवसायियों के हक के लिए 24 घंटा उपलब्ध रहे एवं दुकानदारों की आवाज के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के पास अपनी बातों को रख सके साथ ही सभी व्यवसायियों को एक साथ लेकर चले। बैठक में पूर्व महाधिवक्ता अजित कमार, हटिया व्यवसाय समिति के अध्यक्ष भोला प्रसाद, गोपाल सोनी, अधिवक्ता रविंद्र लाल, डॉक्टर प्रदीप कुमार, नंदलाल प्रसाद साहू,

केंद्रीय जांच एजेंसियों से जुड़ा मामला अब काबनट सचिवालय के अधीन

RANCHI: केंद्रीय जांच एजेंसियों से जडे सारे मामलों पर अब मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय एवं निगरानी विभाग विचार करेगा। सरकार ने गृह विभाग के स्थान पर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को नोडल विभाग बनाया है। कैबिनेट के फैसले के बाद इस संबंध में कैबिनेट सचिव वंदना दादेल की हस्ताक्षर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इसके तहत डीएसपी एक्ट की धारा- 5 एवं 6 के मामलों को छोड़कर सभी केंद्रीय एजेंसी से संबंधित मामले कैबिनेट सचिवालय को दिया गया है। यानि इस विभाग का कार्य दायित्व बढ़ाया गया है। अब सीबीआई, आइटी, ईडी, सहित अन्य जांच एजेंसी से जुड़ा मामला सरकार के स्तर पर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी

हृदयानंद के खिलाफ

कुर्की जब्ती पर रोक RANCHI: टेंडर घोटाला मामले में आरोपी हृदयानंद तिवारी को हाई कोर्ट से राहत मिली है। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने हृदयानंद तिवारी के खिलाफ कुर्की जब्ती पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी। २९ जुलाई २०२४ को ईडी की टीम ने गढ़वा में फरार आरोपी हृदयानंद तिवारी के घर में इश्तेहार चिपकाया ईडी ने मनी लाउंड्रिंग के आरोप में जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम से संबंधित मामलों में यह इश्तेहार चिपकाया है। आरोपी हृदयानंद तिवारी के खिलाफ 25 जुलाई को पीएमएलए कोर्ट ने इश्तेहार जारी किया गया था और अगले 30 दिनों के अंदर हाजिर होने के लिए कहा गया था। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन दाखिल की है।

सड़क दुर्घटना में चाकुलिया निवासी की गई जान

RANCHI: राजधानी के बीआईटी ओपी क्षेत्र की मुख्य सड़क पर शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के चाकुलिया निवासी अमल गोप के रुप में की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार ऑटो पर सवार होकर अमल गोप रांची की ओर आ रहा था। इसी क्रम में ऑटो के अंसतुलित होने पर अमल अचानक सड़क पर गिर गया। इसी दौरान वह अज्ञात वाहन के चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। ओपी प्रभारी रौशन ने बताया कि फिलहाल पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गयी है।

चिटफंड कंपनी डीजेएन के डायरेक्टर विशाल कुमार सिन्हा को मिली जमानत

RANCHI: मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चिटफंड कंपनी डीजेएन ग्रुप ऑफ कंपनी के डायरेक्टर विशाल कुमार सिन्हा को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने विशाल कुमार सिन्हा की जमानत अर्जी को स्वीकृत करते हुए उन्हें जमानत प्रदान कर दी। मामले में ईडी ने ईसीआईआर 3 /2022 दर्ज किया था। आरोप है कि विशाल कुमार सिंह एवं अन्य ने डीजेएन ग्रुप ऑफ कंपनी जिसके ब्रांच पूरे झारखंड में फैले थे के माध्यम से 250 से अधिक निवेशकों के 160 करोड़ से अधिक रुपए का गबन कर दूसरे कामों में लगाया था। दरअसल, आरोपी विशाल कुमार सिन्हा, जितेंद्र मोहन सिंह, प्रशांत कुमार सिंह एवं अन्य के खिलाफ चिटफंड घोटाले को लेकर करीब 15 लोगों ने रांची के लालपर थाना में ठगी का आरोप लगाते हुए कांड संख्या 220/16 दर्ज करायी गई थी। बाद में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर केस सीबीआई को सौंप

रिम्स के चिकित्सक पर धोखाधड़ी का आरोप

दो डॉक्टरों व उनकी पत्नी समेत आठ पर प्राथमिकी

 सीजेएम कोर्ट के आदेश पर रिम्स रांची के डॉ. संजय कुमार कोतवाली थाने ने एफआईआर सिंह, उनकी पत्नी आशा सिंह समेत चार डॉक्टर के साथ कुल 8 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, राशि गबन MANAGER STREET एवं आपराधिक साजिश रचने के

पर कोतवाली थाने ने प्राथमिकी दर्ज मोटर के सामने, बूटी रोड, बरियातू समझौता हुआ, जिसका आरोपियों ने उल्लंघन किया। निर्माण को लेकर निवासी अनिल अधिकारी, उनकी अनिल और मारिया को साल 2015 में अग्रिम राशि के रूप में 27.51 लाख रुपये का भुगतान कंपनी ने किया था। यह रकम वापसी योग्य इंदु कुमारी व डॉ. सुनील कुमार की अग्रिम के रूप में दीगयी थी, जिस नीलम अग्रवाल के पर मौखिक सहमति हुई थी। साथ ही खिलाफ कोतवाली थाना में दर्ज की फ्लैटों और व्यावसायिक स्थानों की गई है। आरोप है कि मेसर्स देविका बिक्री पर एक शर्त रखने के लिए पारस्परिक रूप से सहमति जतायी गयी थी। लेकिन वापसी योग्य अग्रिम ने अनिल अधिकारी और मारिया राशि का भुगतान नहीं किया गया। अधिकारी की 22 कट्ठा जमीन पर अधिकारी आर्केड के नाम से एक झुठे बयानों के आधार पर आरोपियों ने एक- दुसरे के साथ आपराधिक वाणिज्यिक भवन का निर्माण षडयंत्र में कंपनी की भारी रकम

कराया। निर्माण के समय आपसी विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत गठबंधन की आवश्यकता : डी राजा

आरोप में सीजेएम कोर्ट के आदेश

की गयी। प्राथमिकी आर्केड, प्रेमसंस

पुत्री मारिया अधिकारी, मल्लिका

दत्ता, डॉ. संजय कुमार सिंह, उनकी

पत्नी डॉ. आशा सिंह, पवन कुमार

बर्नवाल, डॉ. विद्यापित की पत्नी डॉ.

कंस्ट्रक्शन डेवलपर्स प्रा. लि. कंपनी

आवासीय

पत्नी डॉ.

शनिवार को भाकपा के महासचिव डी राजा ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन की आवश्यकता है। राज्य में भाकपा गठबंधन के साथ मिलजुल करके चुनाव लड़ना चाहती है। राज्य सरकार को चाहिए कि सभी तरह के छोटे बड़ी पार्टियों को एक सूत्र में बांधकर एक मजबूत गठबंधन बने ताकि भाजपा को सत्ता मे आने से रोका जा सके। राजा रांची के अल्बर्ट एक्का चौक स्थित भाकपा पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में

भाजपा का ग्राफ गिर रहा है। लोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नाकार रहे हैं। 400 पार का नारा भी खोखला साबित हुआ। गुजरात और महाराष्ट्र में भी भारतीय जनता पार्टी हारने जा रही है। लगातार भाजपा विपक्षी दलों पर हमलावर बनी हुई है। महंगाई, बेकारी. भखमरी उसके एजेंडे में



नहीं है। उन्होंने कहा कि झारखंड में चुनाव को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों की मामला उठाया जा रहा है जबकि सबसे ज्यादा शासन करने वाली पार्टी भाजपा है। यदि देश में घुसपैठ हो रहा है तो उसके लिए देश के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। झारखंड में विधानसभा के चुनाव को देखते हुए हिंदू-मुसलमान के नाम पर लोगों को बांटना शुरू कर दिया गया है जबिक महंगाई, बेरोजगारी भारतीय जनता पार्टी के मद्दे नहीं हैं। राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा 20 से 25 सीटों पर हमारी तैयारी चल रही है? हमारी समझौता के तहत गठबंधन में चुनाव लड़ा जाए, जिसका फायदा गठबंधन को सभी विधानसभा क्षेत्र में मिलेगा। विपक्षी सेकुलर वोटो को बिखराव से रोकने के लिए हम सबको पहल करनी चाहिए। आठ सितंबर को अटल वेंडर मार्कट के चौथी मंजिल पर बने अतुल कुमार अंजन सभागार में विधानसभा चुनाव को लेकर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित की गई है, जिसमें महासचिव डी राजा. एटक के

कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैटक में विधानसभा चुनाव पर मंथन

 रांची की तर्ज पर महानगर व ग्रामीण कमेटी के गढन पर भी हुई विस्तृत चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI: प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन हुआ। शनिवार को लालगटवा बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक में तीन राजनीतिक प्रस्ताव पारित किये गये। इसमें प्रदेश में जातिगत जणगणना कराने, जिस जिले में नगर निगम है वहां रांची के तर्ज पर महानगर और ग्रामीण कमेटी का गठन करने और ओबीसी के लिए अलग मंत्रालय के गठन का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष

झारखंड में जातिगत जनगणना कराने की हुई वकालत विगिस कमिटी बैठक में शामिल कांग्रेस के नेता • फोटोन न्यूज

बातचीत में कहा कि उम्मीदवारों के चयन के साथ कई मुद्दों पर मंथन किया गया। साथ ही साथ नेताओं से फीडबैक भी लिया गया। बैठक में सह प्रभारी सप्तगिरी शंकर उलेका और श्रीबेला प्रसाद के अलावा डॉ रामेश्वर उरांव, पर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू, के एन त्रिपाठी, बादल पत्रलेख, जेपी

पटेल, महिला प्रदेश अध्यक्ष गंजन सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, रवींद्र सिंह, कुमार गौरव, राकेश सिन्हा सहित सभी पर्व पदाधिकारी, सभी जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, युवा महिला कांग्रेस, अल्पसंख्यक कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस और अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेद्र कुमार, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता सम्मलेन को संबोधित करेंगे। जदयू प्रदेश कार्यसमिति

का एक दिना बढक कल

RANCHI : जदयू कार्यसमिति की एक दिवसीय बैठक नौ सितंबर को होगी। बैठक में जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो करेंगे। इस संबंध में शनिवार को पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि प्रदेश जदयू के प्रभारी और बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ अशोक चौधरी, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश जदयू के सह प्रभारी और विधान परिषद सदस्य विजय कुमार सिंह, सह प्रभारी और बेलहर के विधायक मनोज यादव भी बैठक में शामिल होंगे। जदयू के सभी प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहेंगे।

नगर विकास सचिव सुनील कुमार ने बेहतर नागरिक सुविधा देने का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलते सरना समिति के सदस्य ।

PHOTON NEWS RANCHI:

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से

कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री

आवासीय कार्यालय में केंद्रीय सरना

समिति के प्रतिनिधिमंडल ने

मुलाकात की। मुख्यमंत्री को

प्रतिनिधमंडल के सदस्यों ने 14

सितम्बर को रांची के हरमू स्थित

अखड़ा में करमा पूजा महोत्सव में

शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित

किया। इस मौके पर केंद्रीय सरना

इटकी व धुर्वा बस स्टैंड के बहुरेंगे

सीएम को करमा पुजा

लिए किया आमंत्रित

गिरफ्तार किया गया।

नगर विकास सचिव सुनील कुमार ने राजधानी रांची से खुलने वाली इंटरसिटी बसों के लिए बने बस टर्मिनल में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश निगम के अधिकारियों को दिया है।

सचिव ने स्पष्ट कहा कि इटकी रोड स्थित बस टर्मिनल और धुर्वा बस टर्मिनल में बेहतर नागरिक सुविधा उपलब्ध कराय जायी ताकि रोजाना आने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। सचिव ने अन्य शहरों में भी इंटरिसटी बसों के लिए बस टर्मिनल निर्माण की योजना लेने को कहा है। कई माध्यमों से सरकार के समक्ष यह बात सामने आ रही थी कि इटकी व धुर्वा बस



स्टैंड में नागरिक सुविधा की कमी है। इन दोनों बस स्टैंड से प्रतिदिन सैंकड़ों बसें झारखंड के विभिन्न जिलों जैसे चतरा, डालटेनगंज, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग, पटना बिहार-छत्तीसगढ़ इत्यादि के लिए खुलती है। ऐसे में प्रतिदिन हजारों यात्रि इन बस पड़ाव में आते हैं। जबिक, स्थिति यह है कि दोनों बस स्टैंड में बेहतर आधारभृत संरचना नहीं है। बेहतर शेड-शौचालय नहीं है। गंदगी पसरा रहता है। ऐसे में इन दोनों बस टर्मिनल को प्राथमिकता से दुरूस्त किया जायेगा। सचिव ने इसके अलावा रांची शहरी के स्ट्रीट लाइट हर क्षेत्र में जले यह सुनिश्चित करने को कहा है, अगर खराब है तो तुरंत बदलें और जहां लाइट नहीं है वहां लाइट लगाएं।

झारखंड में अब तक नहीं हुई एफएसएल डायरेक्टर की नियुक्ति RANCHI: दो साल बीत जाने के

बाद भी झारखंड में एफएसएल नेदेशक (डायरेक्टर) की नियुक्ति नहीं हो पायी है। इससे पहले एके बापुली एफएसएल के डायरेक्टर थे। उनका कार्यकाल 15 सितंबर 2022 को ही खत्म हो गया था। उनकी कार्यावधि बढाने के लिए सरकार के पास फाइल गयी थी। लेकिन अब तक उक्त फाइल पर विचार नहीं हो सका है। ऐसे में झारखंड में एफएसएल डायरेक्टर का पद अब तक खाली पड़ा है। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 28 सितंबर 2022 को एफएसएल के डायरेक्टर पद पर सीधी भर्ती से संबंधित फाइल गृह विभाग को वापस

कोकर दुर्गा पूजा समिति के नए पदाधिकारियों का चयन

केशव महतो कमलेश ने मीडिया से

RANCHI: शनिवार को कोकर दुर्गा पूजा समिति की नई कमेटी का हुआ गठन। अध्यक्ष विकास दास उर्फ



विजयवर्गीय, दुर्गा दास, साधन मुंडा, रंजन पासवान, हरि नारायण सिंह, विजय पाठक, शिश शेखर, विवेक कुमार उमेश राय, नीरज शर्मा, पंकज लाल दास, रोशन, वरिष्ठ संरक्षक युवराज, अर्जुन किया। कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य यादव, अजय अग्रवाल, रोहित रंजन उर्फ बबलू, मुख्य संयोजक राजू राम, संतोष महतो, संयोजक संजय राम, छोटू पासवान, कोषाध्यक्ष विशाल कुमार राम, सहकोषाध्यक्ष प्रेम पांडे,

बनाया गया है।

मोरहाबादी, रांची में 4.8 करोड़



हो। 15 नवंबर तक इसका काम पुरा कराते इसके हैंड ओवर की प्रक्रिया भी पूरी की जाए। सेवा सदन, अपर बाजार एवं आस-पास के क्षेत्रों से निकलने मीडिया प्रभारी-रोहित सिंह, दिलीप वाले नाले के गंदे जल को साफ सिंह, शिवराम, संजीव सिंह को कर बड़ा तालाब में प्रवाहित करने

के उद्देश्य से रांची नगर निगम द्वारा



कार्यस्थल का निरीक्षण करते नगर आयुक्त संदीप सिंह व अन्य। 🌘 फोटोन न्यूज

सेवा सदन के समीप 3 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण कराया गया है। पिछले साल नवंबर से यह कार्य कर रहा है। शनिवार को नगर आयुक्त संदीप सिंह के द्वारा निगम के पदाधिकारियों और अभियंताओं के साथ एसटीपी प्लांट तथा आस-पास के क्षेत्र का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। मौके पर अभियंताओं द्वारा बताया गया कि वर्तमान में एसटीपी पूरी

क्षमता के साथ कार्य कर रहा है। ट्रीटेड स्वच्छ पानी को तालाब में प्रवाहित किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने टीम को पूर्व से बने नाले की नियमित सफाई कराते हुए गाद को हटवाने का निर्देश दिया। साथ ही अभियंताओं को एसटीपी की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसके फूल कैपेसिटी पर क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। मौके पर नगर आयुक्त ने क्षेत्र के आम नागरिकों से भी बात की।

संविदा पर कार्यरत प्राध्यापक

समाचार सार

सांसद जोबा मांझी व उनके पुत्र ने की गणेश पूजा



MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के प्रसिद्ध गणेश पूजा पंडाल व मेले का उद्घाटन शनिवार को सांसद जोबा मांझी ने किया। इस मौके पर सांसद के पुत्र व झामुमो नेता जगत मांझी भी उपस्थित थे। सांसद व उनके पुत्र ने पूजा-अर्चना की पूजा समिति के सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में बहरागोड़ा से आया नगाड़ा एवं नृत्य मंडली आकर्षण के केंद्र रहे। गणेश पूजा एवं मेला 18 सितंबर तक चलेगा। इस अवसर पर जिप सदस्य जयप्रकाश महतो. मनोहरपर पंचायत पूर्वी की मुखिया पूजा कुजूर, पंसस उषा देवी व खुशबू कुमारी पिंकी, अमर महतो, पूजा समिति के अध्यक्ष अश्विनी कुमार बघेल, इरूष खाखा, हीरालाल नायकआदि उपस्थित थे।

गणेश चतुर्थी पर जमशेदपुर डेयरी में लगाए फलदार पौधे



JAMSHEDPUR: सरायकेला-खरसावां जिला स्थित जमशेदपुर डेयरी में गणेश चतर्थी के अवसर पर फलदार पौधे लगाए गए। बिहार स्टेट को-ऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन की इकाई जमशेदपुर डेयरी के मुख्य कार्यपालक अमित कमार समन ने आम. अमरुद, आंवला, अर्जन, अशोक, मोहगनी आदि के लगभग 201 पौधे लगाए। इस मौके पर डेयरी के प्रभारी (विपणन) डी. कुंडू, प्रभारी (संयंत्र) हेमकुमार राम, प्रभारी (लेखा) राजेश्वर राम, प्रभारी (अभियंत्रण) अभिनव कुमार, प्रभारी (गुण नियंत्रण) शिल्पा सिंह, प्रभारी (स्थापना) निर्भय कुमार दास आदि भी उपस्थित थे।

जर्जर भवन का गिरा छज्जा, बाल-बाल बचे लोग



JAMSHEDPUR: साकची गोलचक्कर स्थित बारीडीह ऑटो स्टैंड के निकट पॉपुलर फार्मा की बिल्डिंग का छज्जा रेलिंग समेत गिर गया। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। संयोगवश घटनास्थल पर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। इस कारण जान-माल की क्षति की सूचना नहीं है। हालांकि इस दौरान दुकान के बाहर खड़ी एक बाइक मलबे से दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद बिजली स्पलाई बंद कर दी गई। घटना में क्षतिग्रस्त बाइक के मालिक ने दुकान संचालक से हजार्ने की मांग की है, लेकिन दुकान संचालक ने हजार्ना देने से इन्कार कर दिया है। दुकान संचालक ने कहा है कि घटना देर रात की है।। वे दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। बाइक मालिक दुकान के बाहर बाइक खड़ी कर चले गए थे, तो वे हजानी क्यों दें। इधर, शनिवार सुबह दुकान के नीचे से मलबा हटाया गया।

कोडरमा में करंट लगने से एक की मौत

KODARMA: जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत रायडीह मोड के समीप शनिवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान विकास यादव (28) निवासी ग्राम पर्णडीह डोमचांच के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रायडीह मोड़ के पास यह युवक गिरा हुआ पड़ा था। करंट कहीं और लगा है और रायमोड के पास पड़ा हुआ मिला। इसकी सूचना उसके घर वालों को और पुलिस को देने के बाद पुलिस के मदद से कोडरमा सदर अस्पताल भेज गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

धर्म कार्य में करें योगदान, जीवन का होगा कल्याण : शंभू

JAMSHEDPUR: जमशेदपुर स्थित संस्था 'आत्मरक्षा एक विश्वास' के चौथे स्थापना दिवस पर हिंदु जनजागृति समिति के पूर्व-पूर्वोत्तर राज्य समन्वयक शंभू गवारे ने कहा कि धर्म कार्य में यथासंभव योगदान देकर



कल्याण करें। बारीडीह स्थित शिव मंदिर में कार्यक्रम में गवारे ने बताया कि त्रेता युग में श्रीराम जी के साथ धर्म

कार्य में योगदान देने वाली छोटी गिलहरी से लेकर अर्जन तक को हम इसलिए आज भी याद करते हैं, क्योंकि उन्होंने धर्म कार्य में क्षमता के अनुसार अपना सहभाग लिया था। प्रत्येक दिन कम से कम एक बार हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए अपने आराध्य से प्रार्थना अवश्य करें । इससे भी हमारी साधना होगी। 'हिंदु राष्ट्र जागृति' बैठक में बी.वी. कृष्णा, सुदामा शर्मा, रंजना वर्मा सहित शहर के विभिन्न क्षेत्र से धर्मनिष्ठ शामिल हुए।

जुगसलाई, बलदेव बस्ती के निवासी थे दोनों भाई

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर दो भाइयों की मौत

बिष्टुपुर थाना अंतर्गत ट्रैफिक सिग्नल के पास बीती रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बाइक सवार दो संगे भाई की मौत

हो गई। मतकों में जगसलाई

और आकाश नंदी शामिल हैं।

घटना के बाद शनिवार को मृतकों के परिजन बिष्टुपुर थाना पहुंचे और वाहन की पहचान कर चालक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गए। पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों ने जगसलाई थाना के पास बिष्टुपुर-जुगसलाई मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और धरना पर बैठ गए। मृतकों के परिजन 50-50 लाख

रुपये मुआवजा और सरकारी

मुख्यमंत्री आज गुवा के

शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी कुलदीप चौधरी।

PHOTON NEWS CHAIBASA:

पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा में 8

सितंबर को गुवा शहीद दिवस पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शहीदों

को श्रद्धांजलि देने आएंगे। जिला

प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की तैयारी पूरी

कर ली गई है। इसे लेकर शनिवार

को पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त

कुलदीप चौधरी ने पुलिस

पदाधिकारियों और दंडाधिकारियों के

साथ बैठक की। उपायुक्त ने बताया

कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हेलीकॉप्टर

से दोपहर 1 बजे गुवा पहुंचेंगे। यहां से

मुख्यमंत्री सीधे शहीद स्मारक स्थल

जाएंगे। श्रद्धांजलि देने के बाद गुवा

स्थित सेल के फुटबॉल मैदान में

एमजीएम अस्पताल के इमरजेंसी

वार्ड में गुरुवार रात करीब 2 बजे

ऑक्सीजन सिलेंडर गिरने से

मौत हो गई, जबिक चाईबासा की

एक महिला घायल हो गई। घायल

महिला के हाथ में चार टांके भी लगे

हैं। हालांकि अस्पताल प्रबंधन

महिला की मौत ऑक्सीजन सिलेंडर

गिरने की वजह से इंकार कर रहा है।

बेटे कालीचरण ने बताया कि उसकी

मां वैशाखी रात दो बजे के आसपास

शौच के लिए जगी। बेड से उतरकर

वह जा रही थी। इस बीच उसका पैर

फिसल गया। बचने के लिए उसने पास

में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर को पकड़ा,

जिससे सिलेंडर उसके उपर गिर गया

और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

वहीं पास में इलाजरत चाईबासा की

रोमावती देवी की बेटी सुनीता देवी ने

कहा कि पहले एक सिलेंडर गिरा, फिर

एक-एक कर तीन सिलेंडर गिरे,

जिससे एक सिलेंडर उनकी मां के पास

घटना के प्रत्यक्षदर्शी व मृतक के

आदित्यपर की महिला (60) की



सड़क जाम कर रहे आक्रोशित लोगों को समझाती पुलिस।

नौकरी की मांग कर रहे थे। इस दौरान जुगसलाई थाना प्रभारी नित्यानंद प्रसाद ने मृतक के परिजनों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांग पर अड़े रहे। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों

• सांसद, मंत्री सहित कई

विधायक भी होंगे शामिल

जनसभा को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए

पार्टी के कार्यकताओं और ग्रामीणों

की रैली में शामिल गाड़ियों को

सभास्थल से लगभग 5 किलोमीटर

दुर रोक दिया जाएगा। जिला प्रशासन

की ओर से 5 बस की व्यवस्था की

गई है, जिसमें बैठाकर ग्रामीणों को

शहीद स्थल के पास लाया जाएगा।

इसे लेकर पूरे गुवा को पुलिस छावनी

में तब्दील कर दिया गया है। कार्यक्रम

में सांसद व मंत्री सहित कई विधायक

एमजीएम अस्पताल में महिला के सिर

पर गिरा ऑक्सीजन सिलेंडर, मौत

गिरा और उसके हाथ में चोट लग गई।

डॉक्टरों ने तत्काल चार टांके लगाए।

अस्पताल के होमगार्ड जवान

अहमद हुसैन ने बताया कि वे लोग

पेटोलिंग कर मेन गेट के पास पीपल

पेड़ के पास पहुंचे थे। इसी बीच

इमरजेंसी में ऑक्सीजन सिलेंडर

गिरने की तेज आवाज आई। सभी

लोग वार्ड पहुंचे, तो देखा कि एक

महिला के सिर पर सिलेंडर गिरा

हुआ है। वह लहूलुहान थी, फिर

जवान व कर्मचारियों की मदद से

सिलेंडर हटाया गया। वर्ष 2014 में

ही 60 लाख की लागत से

अस्पताल के इमरजेंसी समेत सभी

वार्ड के बेड तक ऑक्सीजन पाइप

लगाया गया है, लेकिन अस्पताल में

सिलेंडर से ही ऑक्सीजन का

की लंबी कतार लग गई। स्टेशन जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस की ओर से कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजन सड़क से हटे। लगभग एक घंटा तक सड़क

• फोटोन न्यूज

मत घोषित कर दिया गया।

अस्पताल प्रबंधन ने आकाश के

होने पर उसे एमजीएम ले जाया

इलाज के लिए 20 हजार रुपये की

मांग की। इलाज के लिए पैसे नहीं

गया। वहां भी स्थिति गंभीर होने पर

उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया

गया। रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते

में ही आकाश ने दम तोड़ दिया।

आशीष रंजन के घर की पुलिस ने की कुर्की जब्ती

की हत्या की जिम्मेवारी लेने वाले आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू के घर पर पुलिस ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की है। हालांकि कुर्की-जब्ती की यह कार्रवाई दो अलग-अलग मामलों में की गई है। पहला मामला कतरास के पुलिस मुखबिर सह कोयला व्यवसायी नीरज तिवारी हत्याकांड का है। जबकि दूसरा मामला बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के वासेपुर के जमीन कारोबारी सरफुल हसन उर्फ लाला खान से जुड़ा है। दोनों मामलों में आशीष रंजन आरोपी है और फरार चल रहा है। आशीष रंजन का घर सदर थाना क्षेत्र के जेसी मल्लिक रोड में स्थित है। जहां कुर्की की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने घर में रखे सभी सामान जब्त कर लिए हैं। वहीं, विधि-व्यवस्था डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि जमीन कारोबारी लाला खान और कोयला व्यवसायी नीरज तिवारी हत्याकांड में आशीष रंजन फरार

तीन दिनों में कार्रवाई

कर्रे : बन्ना गुप्ता

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सोशल

सिंहभम्) डीसी एमजीएम् अस्पताल

में सिलेंडर से हुई दुर्घटना के मामले

अंदर रिपोर्ट दें जो भी लापरवाही के

जिम्मेदार या दोषी होंगे, उन पर विधि

गंभीर बीमारी से हुई

मौत : अधीक्षक

अस्पताल अधीक्षक डॉ. रविंद्र कुमार

ने कहा कि महिला की मौत सिलेंडर

गिरने से नहीं, बल्कि गंभीर बीमारी

की वजह से हुई है। महिला का लीवर

पूरी तरह से खराब हो चुका था। वह सितंबर से ही एडिमट थी। लीवर

बीमारी थी। वैसे ऑक्सीजन सिलंडर

गिरने से एक महिला घायल हुई है।

शुरू हो गई है। जो भी दोषी हैं, उनके

यह घटना दुखद है। यह किसँकी लापरवाही से हुई है, इसकी जांच

खिलाफ कार्रवाई होगी।

के अलावा उसे अन्य कई गंभीर

सम्मत कार्रवाई करें!

में एक समिति बना कर 3 दिनों के

लिखा है कि जमशेदपुर (पूर्वी

DHANBAD : गैंगस्टर अमन सिंह

चम्पाई सोरेन का स्वागत करते हिमंता व उनकी पत्नी, परिवार संग पूर्व सीएम। PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन सपरिवार असम गए थे, जहां उन्होंने मां कामाख्या मंदिर में देवी का दर्शन किया। चम्पाई ने एक्स पर फोटो साझा की है, जिसमें लिखा है कि उन्होंने माता से झारखंड के अनवरत विकास और राज्य वासियों की सुख-समृद्धि, शांति व आरोग्य की मंगलकामना की। वहां चम्पाई व उनके परिवार का स्वागत असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा व उनकी पत्नी रिनिकी भूयान सरमा ने किया। उन्होंने चम्पाई सोरेन को तरह-

अब चार घंटे में तय होगा दुमका से रांची का सफर

RANCHI: दुमका से रांची के

लिये वंदे भारत ट्रेन का शुभांरभ 15 सितंबर को किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 सितंबर को जमशेदपुर से टाटानगर से बैद्यनाथ धाम-काशी विश्वनाथ वंदे भारत टेन और दमका रांची वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। गोड्डा के सांसद डॉ। निशिकांत दुबे के प्रस्ताव पर रेल मंत्रालय ने बैद्यनाथधाम से काशी विश्वनाथ और दुमका से रांची वंदे भारत ट्रेन की मंजूरी दी है। दुमका रांची वंदे भारत एक्सप्रेस मात्र 4 घंटे का समय लगेगा। ट्रेन गोड्डा, देवघर व मधुपुर से न्यू गिरिडीह स्टेशन होते हुए जमुआ, राजधनवार, कोडरमा, बरही व हजारीबाग होते हुए रांची तक जाएगी। इस ट्रेन की समय सारणी भी जल्द जारी हो जाएगी। इस ट्रेन में जनरल बोगी नहीं होगी। ट्रेन का टिकट दूसरी ट्रेन की तुलना में अधिक होगा। टाटानगर से बैद्यनाथ धाम काशी विश्वनाथ वंदे भारत ट्रेन वाराणसी से सुबह 6:

को गरगा पुल घाट के पास से 20 बजे खुलेगी।



बैठक में शामिल जेयूएसटी के सदस्य । **PHOTON NEWS RANCHI:** पिछले कुछ वर्षों से पुराने माध्यमिक संगठनों के सुसुप्त अवस्था को देखते हुए विभिन्न जिलों के माध्यमिक शिक्षकों ने एक नए और मजबूत संगठन के निर्माण का निर्णय लिया, जिसके निबंधन का कार्य अग्रेतर कारवाई के लिए दी जा चुकी है। संघ का ये मानना है कि जब सारी समस्याओं के लिए हमे आज तक खुद ही दौड़ना पड़ा है तो आगे वैशाखी का सहारा क्यों लिया जाए। केंद्र अध्यक्ष नीरज कुमार साहू ने बताया कि यह आने वाले समय

कितनी किताबें पढ़ विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष,

होंगे नियमित : रामदास सोरेन



मंत्री रामदास सोरेन से मिलते शिक्षक।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: राज्य के 22 अंगीभत कॉलेजों में संचालित बीएड पाठ्यक्रम और तीन सरकारी कॉलेजों में संचालित एमएड पाठ्यक्रम में संविदा पर कार्यरत प्राध्यापकों को नियमित किया जाएगा। यह आश्वासन राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने झारखंड राज्य बीएड-एमएड प्राध्यापक संघ को दिया है। शनिवार को संघ के बैनर तले शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सोरेन से उनके घोड़ाबांधा स्थित आवास पर मुलाकात की। संघ के उपाध्यक्ष डॉ. विशेश्वर यादव ने बताया कि मंत्री ने शिक्षक-शिक्षिकाओं समस्याओं को गंभीरता से सना और कहा कि 19 वर्षों से संविदा पर

असम के मख्यमंत्री हिमंता

ने किया स्वागत

बिस्वा सरमा व उनकी पत्नी

तरह के असमिया व्यंजनों से भी

परिचित कराया। सरमा ने भी इस

संबंध में अपने एक्स अकाउंट पर

एक पोस्ट किया है। उन्होंने बताया

है कि उन्हें झारखंड के पूर्व

मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता चम्पाई

सोरेन एवं उनके परिजनों की

आवभगत करने का सौभाग्य प्राप्त

हुआ। उनके अनुभवों से भी बहुत

कुछ सीखने को मिला। ज्ञात हो

कि हिमंता ने चम्पाई को भाजपा में

शामिल होते ही असम आने का

मंत्री से मिले कोल्हान विवि बीएड-एमएड के शिक्षक

कार्यरत बीएड और एमएड प्राध्यापकों की सभी मांगें न्यायोचित हैं। संघ की ओर से बताया गया है कि मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया है कि अंगीभूत एवं सरकारी कॉलेजों के शिक्षा विभाग की स्थापना कर संविदा पर कार्यरत सभी प्राध्यापकों को 65 वर्ष की सेवा के लिए सरकार जल्द ही स्थायी करेगी। मंत्री से मिलने वालों में संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. संजय भुइयां, डॉ. पल्लवी झा, डॉ. कविता सिंह, डॉ. अपर्णा कर, प्रो. तेजा, समेत अन्य शामिल थे।

पूर्व सीएम चम्पाई पहुंचे गुवाहाटी मुख्यमंत्री का गिरिडीह व धनबाद में 'आपकी मां कामाख्या के किए दर्शन योजना...' कार्यक्रम नौ को

नौ सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आगमन होगा। यहां गिरिडीह और धनबाद जिला का 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके मद्देनजर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और पुलिस अधिक्षक डॉ विमल कुमार ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल फुटबॉल मैदान ताराटांड़ का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर मौजूद सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। कार्यक्रम स्थल की साफ सफाई, स्टेज निर्माण, हेलीपैड, वाहनों के आवगमण, वाहन पार्किंग आदि के संबंध में चर्चा कर संबंधित पदिधकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग अपनी तैयारी पहले से

RANCHI: गिरिडीह के गांडेय में

दर्जनों कांडों में शामिल बादशाह खान गिरफ्तार



अपराधियों के बारे में मीडिया को जानकारी देते सिटी डीएसपी व अन्य PHOTON NEWS BOKARO: बीते दिनों बोकारो शहर में लगातार

बादशाह खान उर्फ सोनु उर्फ आलम अंसारी पिता -अब्दुल घरो में चोरी की घटना घटित हो लतीफ अंसारी को गिरफ्तार किया रही थी। लागातार हो रहे घटना की गया ,तथा उसके पास से चोरी के गंभीरता को देखते हुए सिटी कई मोबाईल बरामद किया गया। डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष बादशाह खान द्वारा अपने अपराध छापामारी दल का गठन किया गया स्वीकारोक्ति बयान में बोकारो था । छापामारी दल द्वारा तकनीकि शहर में कई घरों में चोरी करने की साक्ष्य एवं सीसीटीवी फुटेज के बात को स्वीकार किया। इसके सहयोग से चोरी में शामिल निशानदेही पर ग्राम भांगा बाजार अपराधियों का पहचान किया गया. थाना पिण्डराजोड़ा क्षेत्र के रमेश सिंह के घर से चोरी के जेवरातों एवं उनके गिरफ्तारी हेतु लागातार छापामारी किया जा रहा था। को बरामद किया गया, तथा चोरी छापामारी के क्रम में 06 सितंबर के समान खरीदने वाले रमेश सिंह को गिरफ्तार किया गया।

जेयूएसटी ने की राज्य स्तरीय मीटिंग, समस्याओं पर हुई चर्चा

• फोटोन न्यूज में झारखंड की एक सबसे अधिक संख्या वाली संघ बनेगा, जो झारखंड के इतिहास में पहली बार होगा। हमारे संघ में वैसे वैसे प्रतिनिधि शामिल हैं, जो अपनी नौकरी बचाने के लिए लॉ की डाली। वर्तमान में इस संघ से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या 1000 से भी अधिक हो गई है। इसमें झारखंड के चौबीसों जिलों के सदस्य सम्मिलित हैं। बैठक में केंद्रीय महासचिव, कोषाध्यक्ष, संघ के सचिव आदि उपस्थित थे।

महिला ने बेटे संग मिलकर पति की कर दी हत्या GIRIDIH: गिरिडीह जिले के

बगोदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने बेटे के साथ मिलकर अपने पित की हत्या कर दी। ये आरोप मृतक के भाई ने लगाया है। फिलहाल पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को एक तरफ जहां सुहागिन महिलाओं के द्वारा पति की दीघार्यु के लिए तीज व्रत किया जा रहा था, वहीं दूसरी तरफ एक महिला पर अपना ही सुहाग उजाड़ने का आरोप लगा है। घटना बगोदर थाना क्षेत्र के अलगडीहा गांव की है। मृतक का नाम दीनानाथ मंडल है। इस संबंध में मृतक के भाई जिबाधन मंडल के द्वारा बगोदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। जिसमें उसने अपनी भाभी देवंती देवी और भतीजे दीपक प्रकाश पर मारपीट कर गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है।

गाडेय विधायक तीन दिनों के दौरे पर पहुंची गिरिडीह, की भगवान गणेश की पूजा

कल्पना ने रखी पुल निर्माण की आधारशिला

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन तीन दिनों के गिरिडीह दौरे पर पहुंची हैं। पहले दिन शनिवार को कल्पना ने गिरिडीह शहर के पूजा पंडाल पहुंचकर भगवान गणेश की आराधना की। गजानन की पूजा के बाद कार्यक्रम में शामिल होने कल्पना सोरेन गिरिडीह सदर प्रखंड के लेदा, जीतपुर के लिए निकल गईं।

इन क्षेत्रों में कल्पना सोरेन ने सड़क और पुल का शिलान्यास किया। इसके बाद कल्पना बेंगाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि जनता के प्यार और आशीर्वाद से वह विधायक बनी हैं। उन्होंने कहा कि समय काफी कम मिला है, लेकिन जितना भी समय है उसमें मैं आपकी समस्याओं को कम करने की



मगवान गणेश की पूजा-अर्चना करतीं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन व अन्य।

कोशिश में जुटी हूं। उन्होंने कहा कि जैसे पुल, सड़क आदि को दुरुस्त दौरे के क्रम में मैंने समस्या को किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समझा है। यह देखा है कि जनता यह कार्य निरंतर जारी रहेगा। कितने कष्ट में हैं। कल्पना ने कहा कार्यक्रम के दौरान विधायक कल्पना कि सभी समस्याओं के समाधान को सोरेन स्थानीय लोगों से मिलकर वो निरंतर प्रयास कर रही हैं। उन्होंने उनकी समस्याओं से अवगत हुई। कहा कि क्षेत्र की मूलभूत जरूरत उन्होंने कहा कि एक भाई ने अपनी

बहनों और माताओं के लिए मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की है। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ। सरफराज अहमद, झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, फरदीन इम्तियाज अहमद, लेखो मंडल समेत कई कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

पाकुड़ में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन

PAKUR : जिले के तीन स्थानों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। आयोजित कार्यक्रम में पुलिस एवं सिविल प्रशासन से जुड़े समस्याओं का ऑनस्पॉट निष्पादन किया जायेगा। जिसकी जानकारी एसपी प्रभात कुमार ने पत्रकार सम्मेलन में की है। पाकुड़ एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसके तहत राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पुलिस एवं सिविल प्रशासन से जुड़े पदाधिकारी मौजुद रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य पीड़ित पक्ष को इंसाफ दिलाना होगा। इस आयोजन में कोई भी पीड़ित यहां अपनी शिकायत दे सकते हैं। एसपी ने बताया कि यह जन समस्या कार्यक्रम का शुरूआत है।

ड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड

पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और

बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम

कर रहे थे। बादशाह अकंबर ने बीरबल से

कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा

लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर

आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ

गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में

घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे

बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में

भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं

मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने

घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के

अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की

मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओं कि

कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने

को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल

चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था

जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह

अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और

बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस

तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका

पानी कितना ढंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर

आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप

जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही

एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का

ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम

देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार

देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के

दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह

सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद

देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ

और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले

जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा।

तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी

गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया।

शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ

देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया।

दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया।

बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत

ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया,

जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था

जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और

गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

ने अकबर से कहा।

को भी नहीं कर रहे होंगे।

उटकर काम पर नहीं जाएगा।

बीरबल ने अकबर को बताया।

उसे ढेरों इनाम दूंगा।





में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

पंख केवल उड़ान भरने

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

छियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अदभुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडमिंस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाएँ जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम कें प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उडान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पेक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं।

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का

मिलता है कि तुम ध्यान से सुन

नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे

नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए

सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम

कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए।

अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो

रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जॉनकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं।

इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग

बचाओ पंख

का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंट' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य कॉम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।



एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई

हरे रंग का जादू

देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीलें रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

और पक्षी भी ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी

पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खुबसुरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपन पास रख ता काइ बात नहा।



नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है

तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे

देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह

के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां

की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक

कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता

है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही

सुंदरता से भरपूर हैं, कुद्रत की अनुपम

दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन

श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित

वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य

एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी

झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश

उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है

से बांयी और दूसरी सड़क पर 33

अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के

थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर

30 किंलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां

किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल

प्रपात पड़ेगा। यहां से ४ किलोमीटर और

आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा

प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा

जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली।

यहां एक सुंदर उद्यान हैं। सामने ही बांस के

घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने

चालकुड़ी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग

जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद

ध्यान से सुनो हर बात

जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान

में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो? सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को वाला भी हो। वह किस विषय पर किस और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी सकता है। सनने की आदत डालने से है। सुनने वाले की रुचि की बात की बोलने की कला भी विकसित होती है। जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सूनना कई बार बोलने वाले की सुस्तता की भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं कि बोलने वाले की बात को काटना है लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान वाले की हर बात को ध्यान से सुनना से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि





प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी तुमने सुना ही होगा। इसे र्दखने के लिए हर साल अथिरापल्ली और वाज्ह्वाल करोडों लोग वहां जाते हैं। सैकडों फुट ऊपर से गिरता पानी जब

बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल ४ किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगें, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।





तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता। बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही

कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए। राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर

देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो? जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचडी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवांब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तरंत तैयार हो जाएगी

अच्छा ठीक हैं। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांडी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।



जातिगत जनगणना के मुद्दे पर संघ का संतुलित दृष्टिकोण

कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दल पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना का मुद्दा उछाल कर देश भर में अपने पक्ष में हवा बनाने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं। इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ राजग की मुखिया भाजपा ने अभी तक अपना कोई स्पष्ट दृष्टिकोण व्यक्त नहीं किया है, परंतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गत दिनों केरल के पलक्कड़ शहर में संपन्न अपनी अखिल भारतीय समन्वय बैठक में जो महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, उनका निश्चित रूप से स्वागत किया जाना चाहिए। संघ का मानना है कि हिंद समाज में जाति एक संवेदनशील मद्दा है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो सरकार जातिगत जनगणना करा सकती है, लेकिन इस मुद्दे का चुनावी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। जातिगत जनगणना का उद्देश्य केवल पिछड़े समाज का कल्याण होना चाहिए। बैठक में संघ का स्पष्ट मत था कि जातीय विभाजन को रोकने का एक मात्र उपाय हिंदुत्व है। गौरतलब है कि देश के विभिन्न स्थानों पर संघ की समय-समय पर होने वाली बैठकों में अखिल भारतीय समन्वय बैठक को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। केरल के पलक्कड़ में संपन्न हुई यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही थी, क्योंकि कुछ समय पूर्व वायनाड में भूस्खलन से जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। बैठक के प्रारंभ में वायनाड हादसे में असमय ही मौत का शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। बैठक में संघ के स्वयंसेवकों ने वायनाड में चल रहे राहत कार्यों में अपनी सहभागिता की जानकारी साझा की। संघ की इस महत्वपूर्ण बैठक के पहले दिन सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले मौजूद थे। इनके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष और महामंत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री सहित संघ के 32 सहयोगी संगठनों के 320 प्रतिनिधियों ने भी बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लोकसभा चुनाव के तीन महीने बाद संपन्न संघ की इस तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय महत्व? के जिन विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ, उनकी सारगर्भित जानकारी बैठक की समाप्ति के पश्चात संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रभारी सनील आंबेकर ने एक पत्रकार वार्ता में दी। सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ रेप और उसके बाद उसकी हत्या की घटना की निंदा करते हुए उसकी जांच और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए सरकारी मशीनरी, तंत्र की सक्रियता पर बल दिया गया। संघ की बैठक में कोलकाता कांड जैसी घटनाओं को रोकने के पांच तरह के उपाय किए जाने पर बल दिया गया। इनमें फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर त्वरित न्याय, सामाजिक जागरूकता, बचपन से बच्चों में उत्तम संस्कार, शिक्षा व्यवस्था और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण शामिल है।

जालसाजी और आतंकवाद का प्रशिक्षण केंद्र है यह मदरसा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का चर्चित मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम जाली नोट छापे जाने के मामले में जांच के दायरे में है। जांच के क्रम में मदरसा को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। इस मदरसे में छापेमारी के दौरान पुलिस टीमों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ीं कई किताबें मिली हैं। मदरसे के प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन के कमरे में आरएसएस पर लिखी गई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें मिलने पर मामला गंभीर हो गया है। मदरसे के प्रिंसिपल के कमरे से उर्दू भाषा में भड़काऊ साहित्य पाया गया। बरामद उर्दू साहित्य के अनुसार, आरएसएस मुल्क में सबसे दहशतगर्द तंजीम है और बरामद किताब में आरएसएस के खिलाफ कई भडकाऊ लेख हैं। आरएसएस को किताब में आतंकी संगठन बताया गया है। देश में हुए कई आतंकी घटनाओं का भी किताब में जिक्र किया गया है। महाराष्ट्र पलिस के रिटायर्ड मस्लिम पलिस आधिकारी ने इस भडकाऊ किताब को लिखा है। जांच एजेंसियां उर्दू साहित्य से जुड़ी किताब की भी पड़ताल कर रही हैं। इन किताबों के जरिए मदरसे के बच्चों का ब्रेनवॉश किया जाता था। यूपी में मदरसों के आतंकी कनेक्शन को लेकर अक्सर आरोप लगाते रहते हैं. लेकिन संगम नगरी प्रयागराज के एक मदरसे से ऐसा सनसनीखेज खुलासा हुआ है, जो हैरान कर देने वाला है। यह मदरसा नकली नोट छापने का कारखाना बना हुआ था। प्रयागराज पुलिस ने मदरसे से संचालित होने वाले नकली नोट छापने के गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। नकली नोट छापने का कारखाना बना यह मदरसा प्रयागराज शहर के अंतरसङ्या इलाके में स्थित है। मदरसे का नाम जामिया हबीबिया है। यहां बड़ी संख्या में छात्र तालीम हासिल करते हैं। मदरसे के एक हिस्से में मस्जिद भी है। दरअसल, मदरसे में 28 अगस्त को पुलिस ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए। छापेमारी के दौरान पलिस को सिर्फ जाली नोट और जाली नोट छापने की मशीन ही नहीं मिली थी, बल्कि पलिस को कछ आपत्तिजनक किताबें भी मिली हैं, न्यूज एजेंसियो को पुलिस छापेमारी के दौरान की एक्सक्लुसिव तस्वीरें मिली हैं।

नाथ संप्रदाय में अंतिम संस्कार विवाद का विषय नहीं

ANALYSIS



ጆ डॉ. मयंक चतर्वेदी

कार्य क्षेत्र को बनाने वाले

चौबीस तत्व हैं : पंचमहाभूत (पांच स्थूल तत्व – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश), पंचतन्मात्राएं (पांच इंद्रिय विषय - स्वाद, स्पर्श, गंध, दृष्टि और ध्वनि), पांच कर्मेंद्रियां (वाणी, हाथ, पैर, जननांग और गुदा), पांच ज्ञानेंद्रियां (कान, आंख, जीभ त्वचा और नाक), मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति (भौतिक ऊर्जा का मूल रूप)। श्रीकृष्ण ग्यारह इंद्रियों को इंगित करने के लिए दशैकम (दस और एक) शब्द का प्रयोग करते हैं इनमें वे मन के साथ-साथ पांच ज्ञानेंद्रियां और पांच कर्मेंद्रियां भी सम्मिलत करते हैं। इससे पहले, श्लोक 10.22 में उन्होंने उल्लेख किया था कि इंद्रियों में वे मन हैं। इस प्रकार वे व्यापक रूप से पंचमहाभत. पंचतन्मात्राएं, पांच कर्मेंद्रियां पांच ज्ञानेंद्रियां और मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति को व्याख्यायित करते हैं। कुल मिलाकर पांच स्थूल तत्व – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का जो तत्व हमारे शरीर में व्याप्त हैं।

💶 ध्य प्रदेश के मख्यमंत्री डॉ. **ा** मोहन यादव द्वारा नाथ संप्रदाय में अंतिम संस्कार विधि को लेकर जो कहा गया, वह यह कि वर्तमान समय में दफनाने की परंपरा बदली जानी चाहिए। पुरखे हमारे हैं और समाधि पर चादर चढ़ाकर फायदा कोई और लोग लेते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए बदलाव के कदम उठाने चाहिए। वस्तुतः मुख्यमंत्री मोहन यादव यहां कछ भी गलत नहीं कह रहे, अब कौन चादर चढ़ाकर फायदा उठा रहे हैं, यह सभी को समझ में आ रहा है । वैसे भी सनातन परंपरा को जो स्वीकारते हैं, वे यह तो मानेंगे ही कि मनुष्य देह के अनेक विसर्जनों में दाह संस्कार ही सबसे श्रेष्ठ है। स्वयं

अहं वैश्वानरो भृत्वा प्राणिनां देहमाश्रितः।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अग्नि

के महत्व पर बहुत गहरी बात

प्राणापानसमाकारः पचाम्यन्नं चतुर्विधम् ।।

अर्थात - मैं ही हूं जो सभी जीवों के पेट में पाचन अग्नि का रूप धारण करता हूं और आने-जाने वाली सांसों के साथ मिलकर चार प्रकार के भोजन को पचाता और आत्मसात करता हूं। श्री कृष्ण कहते हैं कि भगवान सभी जीवों के अंदर वैश्वानर के रूप में विद्यमान हैं , जिसका अर्थ है पाचन अग्नि,जो भगवान की शक्ति से प्रज्वलित होती है।

फिर गीता में ही श्रीकृष्ण यह

महाभृतन्यङकारो बुद्धिरव्यक्त

इन्द्रियाणि दशाकं च पञ्च चन्द्रियगोचराः।।

देह-जीवन बनानेवाले कर्मक्षेत्र महाभूतों - अहंकार, बुद्धि, अप्रकट तथा पांच इंद्रियों के विषयों से निर्मित नहीं रहीं। इसलिए हमेशा से भारतीय दर्शन कहता रहा है कि परंपरा में है। यानी कि कार्य क्षेत्र को बनाने वाले चौबीस तत्व हैं: पंचमहाभूत आधुनिकता समाहित है। प्रसिद्ध (पांच स्थूल तत्व - पृथ्वी, जल, साहित्कार, आचार्य हजारी प्रसाद अग्नि, वायु और आकाश), द्विवेदी अपने निबंध परंपरा और आधुनिकता में लिखते हैं, ऊपर-पंचतन्मात्राएं (पांच इंद्रिय विषय -स्वाद, स्पर्श, गंध, दृष्टि और ऊपर से ऐसा लगता है कि परंपरा ध्विन), पांच कर्मेंद्रियां (वाणी, अब तक के सभी आचार विचारों का एक जमाव है। सभी पुरानी बातें हाथ, पैर, जननांग और गुदा), पांच ज्ञानेंद्रियां (कान, आंख, जीभ, परंपरा कह दी जाती हैं, जबिक सत्य यह है कि परंपरा भी एक त्वचा और नाक), मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति (भौतिक ऊर्जा गतिशील प्रक्रिया की देन है। हमने अपनी पिछली पीढी से जो कछ का मूल रूप)। श्रीकृष्ण ग्यारह इंद्रियों को इंगित करने के लिए प्राप्त किया है, वह समुचे अतीत की दशैकम (दस और एक) शब्द का पुंजीभृत विचारराशि नहीं है। सदा प्रयोग करते हैं। इनमें वे मन के नए परिवेश में कुछ पुरानी बातें छोड़ साथ-साथ पांच ज्ञानेंद्रियां और पांच दी जाती हैं और नई बातें जोड़ दी कर्मेंद्रियां भी सम्मिलित करते हैं। जाती हैं। एक पीढ़ी दुसरी पीढ़ी को इससे पहले, श्लोक 10.22 में उन्होंने हुबहु वही नहीं देती, जो अपनी उल्लेख किया था कि इंद्रियों में वे पूर्ववर्ती पीढ़ी से प्राप्त करती है। कुछ न कुछ छूटता रहता है, मन हैं। इस प्रकार वे व्यापक रूप से बदलता रहता है, जुड़ता रहता है। पंचमहाभूत, पंचतन्मात्राएं, पांच कर्मेंद्रियां पांच ज्ञानेंद्रियां और मन, यह एक निरंतर चलती रहनेवाली बुद्धि, अहंकार और प्रकृति को प्रक्रिया है। परंपरा का शब्दार्थ है, व्याख्यायित करते हैं। कुल मिलाकर एक का दूसरे को, दूसरे का तीसरे पांच स्थूल तत्व - पृथ्वी, जल, को दिया जानेवाला क्रम। वह अतीत का समानार्थक नहीं है। अग्नि, वायु और आकाश का जो तत्व हमारे शरीर में व्याप्त हैं। अग्नि परंपरा जीवंत प्रक्रिया है, जो अपने संस्कार करने से वे सभी अपने-परिवेश के संग्रह-त्याग की अपने मूल में समाहित हो जाते हैं। आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर यह संदेश भारतीय ज्ञान परंपरा में क्रियाशील रहती है। कभी-कभी इसे गलत ढंग से अतीत के सभी आचार कई आद्य ग्रंथों का है। अब यह अलग बात है कि समयकालीन विचारों का बोधक मान लिया जाता परिस्थितियों में वे कुछ कारण है। इस निबंध में आचार्य द्विवेदी यह अवश्य रहे होंगे, जिसके चलते भी लिखते हैं, बुद्धिमान आदमी एक पैर से खड़ा रहता है, दसरे से नाथ संप्रदाय मृत्यु पर गाड़ देने या दफन करने का अंतिम संस्कार चलता है। यह केवल व्यक्ति सत्य व्यवहार करने लगा होग। नाथ नहीं है, सामाजिक संदर्भ में भी यही संप्रदाय के लोग खुद को अग्नि और सत्य है। खड़ा पैर परंपरा है, चलता योग से पवित्र बनाते हैं। इस कारण पैर आधुनिकता। दोनों का हो सकता है कि अग्नि में समाहित पारस्परिक संबंध खोजना बहुत नहीं होने का उनकी ये परंपरा श्रद्धा कठिन नहीं है। एक के बिना दुसरे के वशीभृत अग्नि को सम्मान देने की कल्पना ही नहीं की जा सकती। के लिए हो, किंतु यह भी सच है कि इस संदर्भ में यहां समयानुरूप परंपरा देश-काल-परिस्थिति के अनुसार

माननेवाले मुसलमान जब मतांतरण (धर्मांतरण) तलवार के बल पर कर रहे थे और उसमें भी जातिवाद के जहर ने समाज के उपेक्षित वर्ग को मतांतरण के लिए प्रेरित भी किया, तब कश्मीर में एक सार्थक प्रयत्न हुआ। ह्यसामाजिक समरसता एवं वर्ण व्यवस्थाह्न पुस्तक में राजनीतिक चिंतक एवं पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा लिखते हैं- सन 1420 में कश्मीर में हिंदुओं का संहार करने वाले, समुचे कश्मीर को हिंदूविहीन कर देने वाले, सिकंदर बुतशिकन तथा राष्ट्रद्रोही समाजद्रोही सैफ़दीन (सुहास भट्ट) के शासन की समाप्ति के पश्चात उसका दूसरा पुत्र जैन-उल आब्दीन सुल्तान की गद्दी पर बैठा। जैनुल आब्दीन कश्मीर के महान वैद्य पंडित श्रीभट्ट से प्रभावित हुआ। श्रीभट्ट ने सुल्तान के ऊपर अपने प्रभाव का लाभ लेकर कश्मीर के हिंदुओं को सभी कष्टों से मुक्त करा दिया। पंडित श्रीभट्ट ने हिंदू समाज में एक क्रांतिकारी एवं अनकरणीय चमत्कार किया। नरेंद्र सहगल ने अपनी ह्यधर्मांतरित कश्मीरह्न पुस्तक के पृष्ठ 118 पर लिखा है कि कश्मीर में अनेक गोत्र वर्ण इत्यादि थे। मुसलमान शासकों के अत्याचारों से कश्मीरी हिंदुओं की यह व्यवस्था चूर-चूर हो गई थी। कश्मीर से भागकर बाहर जाकर बिखर जाना और फिर अत्यन्त दयनीय परिस्थितियों में वापस लौटने से हुई विनष्ट वर्ण व्यवस्था को नया रूप देने की आवश्यकता थी। ऐसी स्थिति में पंडित श्रीभट्ट ने सबको एक ही वर्ण, ब्राह्मण में परिणत कर दिया। डॉ. त्रिलोकीनाथ गंजू ने भी अपनी पुस्तक महाश्री शिर्य भट्ट में श्रीभट्ट के इस ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी योगदान का वर्णन किया है। संभवतः इन उपेक्षित कश्मीरी हिंदुओं के विकास के संदर्भ को परिवर्तन के यह उदाहरण देखे जा विश्लेषित करना महत्वपूर्ण नहीं रहा सकते हैं: भारत में इस्लाम को हो, परंतु महाश्री शिर्य भट्ट के इस

कांतिकारी सुधार ने भावी कश्मीर के इतिहास के नहीं, अपितु भारत के समस्त हिंद समाज के लिए एक वैज्ञानिक समाज शास्त्री की तरह अपने युग से एक हजार वर्ष आगे की तरफ देखकर इस वर्णविहीन एक वर्ण (कश्मीरी पंडित) समाज का गठन किया। आश्चर्य तो यह है कि जिस सुधार शंखनाद को शतकों के उपरांत भक्ति आंदोलन, ब्रह्म समाज, आर्य समाज, और विश्व हिंदु परिषद आदि ने कार्यान्वित करना चाहा, उसको युगद्रष्टा श्री भट्ट ने 1420 में त्रिकालद्रष्टा की तरह देखकर कदम उठाया था यानी जो कभी परंपरा थी, वह कहीं विलीन हो गई और आधुनिकता में संपूर्ण जम्मू-कश्मीर का हिंदू समाज तत्कालीन समय से ब्राह्मण (पंडित) समाज हो गया। दुसरा उदाहरण रात्रि में हिंदुओं के विवाह के रूप में भी देखा जा सकता है। श्रीराम-जानकी जी का विवाह वैदिक रीति के अनुसार दिन में हुआ था। श्री कृष्ण-रुक्मणि का विवाह हो या अन्य प्रमुख विवाह संस्कार, ये सभी दिन में सूर्य को साक्षी मानकर क्योंकि वह ऊर्जा और उत्साह के प्रतीक हैं. सम्पन्न हुए थे। वस्तुतः यह हमारी प्रथा रही है कि हम अपने पत्र-पत्री का विवाह दिन में ही करें, लेकिन कालांतर में जब हिंदु समाज पर विधर्मियों का आतंक हुआ, तर्क, हब्सी, मगल आक्रांताओं समेत अरबिया इस्लामिक आक्रांताओं द्वारा हिंदु बेटियों का मान, शील, चरित्र, जेवर, धन लटा जाने लगा और हिंद समाज अपने आप को कमजोर पाने लगा, तब भारत में दो धाराओं का प्रचलन देखने को मिला, एक देशभर में भक्ति आंदोलन खड़ा हुआ और दो- हिंदू आचार्य इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि गांव, देहात हर जगह हिंदु परिवार जिसके यहां विवाह होना है, उसे सुरक्षा उपलब्ध कराना संभव नहीं, इसलिए आगे से

जनकल्याण में जुदी मोदी सरकार

धानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सामाजिक कल्याण की योजनाओं के माध्यम से जनकल्याण के कार्य में जुटी है। मोदी सरकार गरीब को भोजन, आवास, रसोई गैस, स्वास्थ्य, किसानों को आत्मसम्मान, लघु और सुक्ष्म उद्यमियों को अपना रोजगार चलाने के लिए बैंकों से ऋण उपलब्ध करवा रही है। देश की आजादी के बाद कई दशकों से गरीब का घर अंधेरे में था, आज उसमें खशियों के चिराग जल रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र को लेकर प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सरकार के उद्देश्य को परा करने के लिए समर्पण के साथ रात-दिन एक करके देश के गरीब वंचित लोगों के सहयोग में जुटे हैं। इन योजनाओं का लाभ शहरी नहीं, बल्कि दूर दराज में बैठे ग्रामीण भी उठा रहे हैं। सरकार बैंकों के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खाते में पैसा पहुंचा रही है। इस लाभ के बीच में किसी का दखल नहीं है, ना

मैं केंद्र से एक रुपया भेजता हुं, वह आप तक 10 पैसे ही पहुंच पाता है। योजनाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान एक ऐसा अभियान है, जिसने अपने सांगठनिक ढांचे को संपूर्ण भारत में मजबूत कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहा है। ये योजनाएं गरीब के लिए वरदान साबित हो रही हैं। ये योजनाएं किसानों के लिए वरदान साबित हुई हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए व्यक्ति के नाम जमीन होनी चाहिए। इस योजना का मकसद उन किसान परिवारों की आय बढाना है, जिनके पास खेती योग्य जमीन है। उसकी भूमि दो एकड़ से अधिक नहीं होनी चाहिए, दो एकड़ से अधिक भूमि वाला किसान योजना से वंचित रहेगा। यह योजना उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से 24 फरवरी 2019 से प्रारंभ हुई। अभी हाल ही में 18 जून 2024 को योजना में हर चार महीने में दो हजार रुपये किसानों के खाते में बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) मोड में बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाते हैं। एक वर्ष में कुल छह हजार रुपये किसानों को भेजे जाते हैं। इस योजना का 11 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिल रहा है। इससे किसानों की क्रय शक्ति में वृद्धि हुई है, भारत का जीडीपी में सुधार आया है। मोदी सरकार ने महिलाओं को मिट्टी के चूल्हे से आंखें खराब होने से बचाने के लिए 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर और चूल्हे वितरित किए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खाना पकाने के लिए उपयोग में आने वाले जीवाश्म ईंधन की जगह एलपीजी के उपयोग को बढ़ावा देना है। योजना के माध्यम से सरकार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश के बलिया से 1 मई 2016 को इस योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना

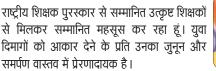
के तहत मिलने वाली सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा हो जाती है। अगस्त में कैबिनेट की मीटिंग में 75 लाख लाभार्थियों को और जोड़ने की मंजूरी दी गई। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर दी जाने वाली 450 रुपये की सब्सिडी को 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दी है। इस योजना का लाभ धर्म और जाति के भेदभाव के बिना गरीबों को पहुंचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4.21 करोड़ मकान बनाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस योजना का शुभारंभ 25 जून 2015 को किया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में निर्णय लिया है कि आवास की जरूरत को पूरा करने के लिए 3 करोड अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को आवास बनाने में मदद की जाएगी। इस योजना के माध्यम से गरीब और बेघर लोगों को आवास की सुविधा प्रदान कराई जाती है। योजना के तहत ग्रामीण लाभार्थियों को अपना खुद का घर बनवाने के लिए सहायता राशि

प्रदान की जा रही है। इस योजना से गरीब का घर बनाने का सपना परा होता नजर आ रहा है। इससे चार करोड से अधिक परिवारों को सिर पर छत मिली है। मोदी सरकार ने खाद्य सुरक्षा कल्याण योजना 26 मार्च 2020 को भारत में कोविड-19 की महामारी के दौरान प्रारंभ की। इस योजना के माध्यम से 81.35 करोड़ लोगों अर्थात 56.81 प्रतिशत आबादी को इसका लाभ मिल रहा है। इसमें एक लाभार्थी को पांच किलो गेहं या पांच किलो चावल, एक किलो दाल निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। इसका नोडल मंत्रालय वित्त मंत्रालय है। इस योजना के तहत सभी प्राथमिकता वाले परिवारों और अंत्योदय अन्न योजना के तहत पहचाने जाने वालों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से अनाज उपलब्ध कराकर भारत के सबसे गरीब नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना का लक्ष्य कोई गरीब भखा नहीं सोए। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस

योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के रांची से 23 सितंबर 2018 को किया था। यह योजना आम आदमी को सस्ती और सलभ स्वास्थ्य सेवा देने के लिए शुरू की गई है, जो आज परचम फैला रही है। देश में 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आज गरीब व्यक्ति को पैसे के अभाव में दम तोड़ने के लिए नहीं छोड़ा गया है। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को वर्ष में 5 लाख रुपये तक का मफ्त इलाज मिलत है। इस योजना में इलाज सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में कहीं भी मिल सकता है। यह योजना कैश लेस है। इस योजना में मरीज के भर्ती होने से सात दिन तक की जांचें फ्री होती है,भर्ती के दौरान इलाज और भोजन मफ्त. डिस्चार्ज होने के 10 दिन बाद तक चेकअप और दवाएं मफ्त, परिवार के आकार, आयु और लिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं हैं। इस योजना के तहत कैंसर और हृदय रोग सहित 1300 बीमारियों का निशुल्क इलाज किया जाता है।

Social Media Corner

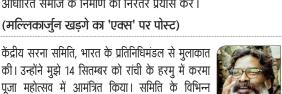
सच के हक में





(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी देशवासियों को श्री गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। महान स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी ने स्वतंत्रता संग्राम में एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए गणेशोत्सव को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा था। हमारी यही कामना है कि स्वतंत्रता संग्राम की मूल भावना, जिसमें आपसी बंधुत्व जरूरी है वो जागृत रहे। आइए हम प्रेम, सौहार्द और भाईचारे पर आधारित समाज के निर्माण का निरंतर प्रयास करें।



पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे। झारखंड की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखना मेरी पहली प्राथमिकता है। (सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

केंद्रीय सरना समिति, भारत के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात



उपहार ही नहीं, अमल्य धरोहर से बढ़कर हैं। अफसोस कि वन्य जीवों की विभिन्न प्रजातियां लुप्तप्राय हो रही हैं। हजारों प्रजातियों का तो अब तक नामो-निशान मिट चुका है। जंगल के बेजुबान जानवरों की संख्या विलुप्त होने से कैसे बचे, उनका संरक्षण कैसे किया जाए, 2005 में कोलीन पैगे नामक एक वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ व परोपकारी व्यक्ति द्वारा कोशिश की गई थी। अगले साल यानी 2006 में वन्यजीव संरक्षणवादी स्टीव इरविन के निधन के बाद उनकी स्मृति में यह खास दिवस मनाया जाता है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 48.5 फीसदी वन्य प्रजातियों की आबादी में कमी आ चुकी है। इन प्रजातियों की कुल संख्या 16,150 है। इनमें पक्षियों की 5412 प्रजातियां, उभयचरों की

3135, मछलियों की 2631

न्य जीव प्रकृति का और कीटों की 1622 प्रजातियां शामिल हैं। सरीसुपों की 1465 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। वन्यजीवों की संख्या घटने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। अव्वल, वनों का तेजी से कटना। दूसरा, उनके भोजन की उपलब्धता में कमी आना, जिस कारण उनका वनों से बाहर आना और शिकारियों द्वारा शिकार हो जाना। उचित आवास का न होना, अत्यधिक वन संपदा का दोहन, जंगलों में बढ़ता प्रदुषण और ग्लोबल वार्मिंग की मार भी जंगली जीव झेल रहे हैं। पशु तस्कर अब चुन-चुनकर जंगली जानवरों का शिकार करने लगे हैं, क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जंगली जानवरों की खाल, दांत या उनके अन्य अंगों की भारी डिमांड है। ग्राहक तस्करों को मुंहमांगी कीमत देते हैं, जिस कारण तस्कर वन्य जीवों का शिकार करने पर आमादा रहते हैं। लुप्तप्राय जीवों और उनके संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों

में और तेजी लाना ही आज के खास दिन का मकसद है। वन्य जीव प्रजातियों के महत्व और उनकी रक्षा-सुरक्षा के लिए सभी को भागीदार होना चाहिए। आज पशुओं की सुंदरता और उनके मुल्यों को पहचानने का दिन है। कार्यक्रमों के जरिए जनमानस को याद दिलाना होता है कि मानव जीवन में वन प्रजातियों की क्या भूमिका होती है। दुख इस बात का है कि लाख कोशिशों के बावजूद मानवीय गतिविधियां नहीं रुकतीं और पर्यावरण में होते नित नए परिवर्तन ने भी वन्य पशु-पक्षियों का जीना मुहाल किया हुआ है। राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रयासों से लेकर वैश्विक पहलों तक, वन्य जीवों के संरक्षण में मदद करने वाले कार्यों को प्रोत्साहित करना होता है। ये दिन हमें अपने प्राकृतिक परिवेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है। वन्य जीव संरक्षण के प्रयासों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना

और चिड़ियाघरों, अभयारण्यों और वन्यजीव संरक्षण के लिए समर्पित संगठनों के काम का समर्थन भी आज का दिन करता है। राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस के अलावा 3 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व वन्य जीव दिवस भी जंगली जानवरों की रक्षा के लिए लोगों को आह्वान करता है कि भावी पीढ़ियां पृथ्वी की जैव विविधता का आनंद ले सके, इसलिए वन्य जीवों को संरक्षित करना होगा। आज के खास दिन का मकसद वैश्विक स्तर पर वन्यजीवों के सामने आने वाली प्राकृतिक आपदाएं, बीमारियों व अन्य गंभीर समस्याओं के प्रति जागरूकता को बढ़ाना भी होता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मानवीय गतिविधियां वन्य जीवों के लिए मौजुदा वक्त में सबसे बड़ा खतरा हैं। सरकारी स्तर पर जैव विविधता के महत्व और प्राकृतिक वन्य जीव संरक्षण पर अब और अधिक ध्यान देने की

विशेष प्रदर्शन

पदकों की बरसात अभी रुकी नहीं है। पेरिस में चल रहे पैरालिंपिक से जो खबरें आ रही हैं, वे हैरत में डालने वाली तो हैं ही, साथ ही गर्व से भर देने वाली भी हैं। इसमें इतने पदक मिले हैं, जितने भारत की झोली में इसके पहले कभी नहीं गिरे थे। मामला देश के दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा नए रिकॉर्ड बनाने का ही नहीं है, पेरिस पैरालिंपिक की पदक तालिका दरअसल भारत के बदलते समाज और उसके नजरिए की कहानी भी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस उपलब्धि से अभिभूत हैं। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से टेलीफोन पर बातचीत में उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि पूरे देश के नौजवानों को प्रेरित करेगी। इसमें हम यह भी जोड़ सकते हैं कि यह उपलब्धि पूरे देश को एक नया आत्मविश्वास देगी, जिसकी इस समय सबसे ज्यादा जरूरत है। अंग्रेजी भाषा में दिव्यांगों के लिए पहले डिसेबल या अक्षम शब्द का इस्तेमाल होता था। अब यह शब्दावली बदल दी गई है, इसकी जगह लिखा जाता है- स्पेशली एबल्ड पर्सन यानी विशेष क्षमता वाले व्यक्ति। सचमुच पेरिस पैरालिंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि वे विशेष क्षमता वाले खिलाड़ी हैं। वे उस धरती से पेरिस गए थे, जहां खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्कर यानी बुनियादी ढांचा न होने का रोना अक्सर रोया जाता है। जहां किसी भी ओलिंपिक खेल या अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा के बाद लिखे जाने वाले वैचारिक लेखों की अंतिम पंक्तियां इसी त्रासदी की ओर इशारा करती हैं। यह दर्द भी सुनाई देता है कि क्रिकेट के अलावा किसी और खेल पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा। ठीक उसी दौर में ये खिलाड़ी पेरिस जाते हैं और तकरीबन हर रोज एक साथ कई पदक जीतने की खबर आती है। वे हर खेल में जीतते हैं- निशानेबाजी में, तीरंदाजी में, भारोत्तोलन में, भाला फेंकने में, लंबी कूद में, ऊंची कूद में, जूडो में- यह फेहरिस्त लंबी है।

प्रजातियां, स्तनधारियों की 1885 जरूरत है। Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

वन्य जीवों को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

Sunday, 08 September 2024

Crumbling statues, falling standards

TRYSTS AND TURNS: The fear that haste may lead to waste does not seem to worry the authorities

China shifts gears to combat strong rivals

THE Chinese military is shifting its focus to winning wars against stronger opponents amid mounting challenges. According to a South China Morning Post report, President Xi Jinping, who is also the Chairman of the Central Military Commission (CMC), China's highest defence body, has directed the People's Liberation Army (PLA) to enhance its strategic capabilities to defend the country's sovereignty and developmental interests.Xi unveiled the new directive while commemorating Deng Xiaoping's 120th birth anniversary on August 22. He highlighted Deng's vision for the PLA which was instrumental in developing it into a strong, modernised and well-organised force emphasising the importance of 'fewer but better troops'. General Miao Hua, a member of the CMC, stated while commenting on the strategic shift, "In the new journey, we should focus on strengthening capabilities to defeat strong enemies and opponents."A recent article in the PLA Daily, while referring to Deng's 1980 strategic judgement that "a world war can be postponed or avoided", noted that China now faces great changes unseen in a century. It asserted the need for the armed forces to remain vigilant and maintain strategic clarity on the possible risk of war, make full preparations for military struggle, effectively deter war and resolutely win it. The Chinese leadership has refined its warfighting doctrines of winning local wars since the 1990s through white papers and strategic guidelines. The first 'White Paper on National Defence' was published in 1998. Following the release of 'White Paper on National Defence (2006)', the PLA adopted the 'local wars under informationised conditions' doctrine to match technologically superior adversaries. Through the 'informationised war' doctrine, China sought to impose high costs on conventionally superior opponents by targeting command, control, communication, computer, intelligence, surveillance and reconnaissance (C4ISR) networks. The recent directive to the military to prepare for wars against strong enemies marks another strategic shift, primarily as a response to the challenges China is facing, both in the maritime domain and on the land borders. Incidentally, Xi, on assuming power in 2012, had initiated a slew of deep-rooted military reforms as he had envisioned the PLA to play a key role in realising the 'China Dream' of a prosperous and powerful China by the middle of the century. Sovereignty was identified as one of the key national objectives. Besides fostering nationalism, it was to ensure the security of periphery and the integration of Taiwan and all claimed territories with the motherland. To provide strategic direction to implement Xi's vision, the 'White Paper on National Defence, 2015' (China's Military Strategy) was released. Its theme was 'active defence', and its focus was on winning 'local wars under conditions of modern technology'. It implied a major transition in the naval strategy from 'offshore waters defence' to a combined strategy of 'offshore waters defence and open sea protection' to secure China's maritime

To operationalise the new doctrine, the CMC was restructured and military regions reorganised into theatre commands. A number of measures were instituted to enhance military capabilities the spectrum. PLA navy (PLAN), numerically the biggest navy today with more than 350 ships, is expected to reach a strength of 450, including six aircraft carriers, in the next few years. The Chinese Coast Guard is the largest in the world, with over 100 vessels. The space defence force, to enhance its power projection capabilities. It is expected to have a fleet of over 1,000 stealth and fifth-generation fighter aircraft by around 2035. Besides, the Rocket Force arsenal is anticipated to go up to 700 before the end of the decade, duly complemented by hypersonic glide vehicles and cruise missiles.

A 35-ft statue of Chhatrapati Shivaji Maharaj, the great Maratha warrior known for his guerrilla warfare skills — which he successfully used against the Mughals — was knocked down by strong winds blowing across the coastal town of Malwan in the Konkan region of Maharashtra. The statue had been erected in a hurry prior to the Lok Sabha elections this year to permit Prime Minister Narendra Modi to inaugurate it. Modi, always willing to perform such

pre-election chores, obliged. Just six months later, he was forced to apologise for the mishap, though he himself could hardly be blamed for nature's vagaries. His sycophants were the real culprits.

Around Rs 83 crore were spent on the statue's construction, which was entrusted to the Navy in deference to the memory of Maratha admiral Kanhoji Angre, who commanded the Maratha navy in those glorious days. The original plan, it now appears, was to build a six-ft statue and the design for it was scrutinised and approved by the Directorate of Art as per the prescribed procedure. One wonders who raised its height and why. Those who would have claimed credit for the statue will now seek anonymity for valid security concerns.

Stories of incompetence and blatant corruption are doing the rounds, all leading to the doorstep of Mahavuti leaders Eknath Shinde, the Maharashtra Chief Minister who leads a faction of the Shiv Sena, and BJP leader Devendra Fadnavis, one of the two deputy chief ministers. Nationalist Congress Party (NCP) leader Ajit Pawar, who abandoned his uncle Sharad Pawar for personal aggrandisement, is the other Deputy CM, but he has distanced himself from his partners because he had sensed the Maratha anger against the toppling of the statue.

The BJP realises that Ajit is proving to be a liability in the three-party alliance. Ajit's uncle still commands the loyalty of the Maratha community, as was proved in the 2024 Lok Sabha elections. Fadnavis, the BJP's loyal pointsman in the state, had erroneously calculated that the ambitious Ajit would be able to bring in the bulk of the NCP's vote bank, but that was not to be. Sharad continues to be the Maratha strongman, despite his advancing age and ill health. Ajit's tirade against his friends in the

Mahayuti is not going to help him advance his political career. At present, it has only succeeded in weakening the ruling alliance's chances of retaining power. The molestation of two four-year-old girls in a school at Badlapur in Thane district had already done harm to the fortunes of the Mahayuti. And now, nature has joined forces with the Opposition MVA (Maharashtra Vikas Aghadi), led by the Congress and consisting of a resurgent Shiv Sena-UBT



(Uddhav Balasaheb Thackeray) and the presently dominant Sharad-led faction of the NCP.

As of today, the dice is loaded against the parties in power. The BJP had made inroads in urban areas of the state. It will hold on to its voters, but the two parties on whose strength it relied will not be able to contribute to the extent Fadnavis expected them to do. In fact, there is the distinct possibility of the NCP's Ajit faction gradually fading into oblivion. When the foot soldiers find that their leader will not be able to provide the expected goodies, they will gravitate to those in a position to oblige.

Reverting to the matter of the statue, it is quite obvious to even the poorly informed that such construction needs expertise of a superior calibre. It also needs supervision of a higher order with officials for the purpose being chosen from among those with a reputation for integrity. Fortunately, there still remain many in the IAS with that qualification.

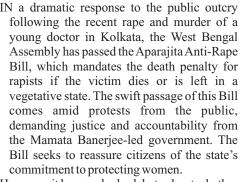
The pressure to complete works expeditiously, which is happening often when elections are round the corner, should be avoided. The PM inaugurated the new Parliament building in a bit of a hurry and very soon it developed leakages and defects. Modi did not apologise for that fiasco like he did for the fall of Shivaji's statue! According to his statement, the Maratha warrior was a 'god'. Agreed that a building cannot be deified, but a Parliament building is a sacred place, because like the poet Byron wrote about the Castle of Chillon in Switzerland, "May none those marks efface! For they appeal from

> tyranny to God." A massive project is underway in my city of Mumbai. It is the Coastal Road project that has reclaimed acres and acres of land from the sea to decongest the heavy traffic caused by the proliferation of cars. The work goes on relentlessly day and night since targets are set (as they should be) and important leaders are eager to inaugurate even minor sections of the project. The fear that haste may lead to waste does not seem to worry the authorities like it worries thinking citizens. I remember the car journey I took once from Kowloon to the mainland of Hong Kong through an undersea tunnel. It was a feat of engineering. A similar tunnel was a part of Mumbai's Coastal Road. Very

soon, it developed leaks. When the media carried the news, many senior citizens decided against travelling by car through that tunnel. I am told that the leaks have been patched. That is a consolation, but why are we so tolerant of shoddy work which is inevitable if it has to be completed in a hurry to accommodate leaders who want their names embossed on stone?Bihar has not yet received its annual quota of rainfall, but as soon as the first showers fell, as many as a dozen newly constructed bridges collapsed! In Rajkot (Gujarat), a bridge collapse resulted in the death of car passengers. Are our engineers and contractors incompetent or, as is more likely, have they dipped their hands into the till? Since no one is held responsible and punished, Modi's promise of remaining squeaky clean himself and ensuring that his administrators also remain above board is like his promise to show no mercy to those convicted of molesting women — only an empty promise meant for luring voters to keep double-engine governments in office.

A desperate step

Bengal Bill mandates death penalty for rapists



However, it has sparked a debate about whether such measures are merely a politically motivated reaction to silence the growing unrest. Party leaders continue to face a public backlash. Comments comparing protesting doctors to 'butchers' have only intensified

public ire, further alienating the government from those it seeks to placate. Also, the fact that the new



Bill is in conflict with the Centre's Bharativa Nyava Sanhita, which does not prescribe capital punishment for rape, creates a legal conundrum. Andhra Pradesh and Maharashtra have struggled to secure the presidential assent on similar Bills. Plus, even as the death penalty has not proved effective as a deterrent, the irreversible nature of such a punishment raises human rights

The passing of the Aparajita Bill is a desperate move by the TMC government, aiming to restore public faith and regain control over the narrative. Whether this legislation will bring the desired change or simply add to the long list of unimplemented laws remains to be seen. As the Bill awaits approval by the Governor and President, the broader question of its efficacy and ethical implications looms large. The state would do well to focus on improving the investigative and judicial processes, ensuring a swift and fair trial and addressing

the systemic issues that lead to such heinous crimes.

Food processing sector symbolises India's growth story

We are not merely advancing an industry but also embracing a shared vision of a future in which innovation, sustainability and prosperity uplift every corner of our nation.

THE food processing sector in India stands out as a beacon of our nation's ambition, symbolising the strides we are making toward Viksit Bharat. No longer just a contributor to the economy, this sector is rapidly transforming into a cornerstone of India's growth story. Under the visionary leadership of Prime Minister Narendra Modi, a masterful blend of policies, initiatives and infrastructure development has catapulted the sector to new heights, turning it into a formidable force on the global stage. India currently boasts a thriving economy valued at \$3.7 trillion, with ambitious goals of reaching \$30-35trillion economy by the nation's centenary of Independence in 2047.At the core of India's transformation lies its rich agro-climatic diversity, empowering our farmers to cultivate a remarkable variety of crops. As a global leader in producing pulses, millets, milk, wheat, rice and a vast range of fruits and vegetables, India possesses an unparalleled resource base for value addition. This agricultural abundance, meticulously nurtured by our hardworking farmers, has sparked a wave of innovation and entrepreneurship, giving rise to a thriving food processing sector. This sector has become a keystone of India's economic development, driving growth through employment generation, technological advancements and the creation of new market opportunities. India also boasts the largest and youngest working population among the top global economies, further fuelling this dynamic transformation. By harnessing advanced processing technologies, the industry has been instrumental in reducing post-harvest losses, extending the product shelf life and ensuring that farmers receive better returns for their efforts.As India's food processing sector continues to evolve, it not only meets international quality standards but

also diversifies its offerings to cater to the everchanging tastes and preferences of global consumers. The close synergy between agriculture and food processing has thus become a powerful engine of economic progress. It underscores the vital role that our farmers and agriculture play in shaping the nation's future, ensuring that India's agricultural produce reaches every corner of the world with

enhanced value and quality. Through this integration, supported by a vibrant and youthful workforce, we witness the emergence of a resilient, globally competitive sector that is poised to lead India toward a prosperous and sustainable

an inflection point, the Covid-19 pandemic revealed the sector's impressive resilience, swiftly adapting to the rising demand for processed foods. The gradual shift towards ready-to-eat, ready-to-cook and value-added products emphasised the sector's crucial role in food security and nutrition. A strong food processing sector is essential for addressing food and nutritional security challenges in India, providing convenience, a longer shelf life and better access to remote areas. It also ensures improved price realisation for

farmers and enhances market opportunities, making a significant impact on the GDP and supporting livelihoods.

At the forefront is the Ministry of Food Processing Industries (MoFPI), championing flagship programs like the PM Kisan SAMPADA Yojana (PMKSY). This initiative is transforming the sector by developing cutting-edge infrastructure and

farmgate to retail. Complementing these efforts, the PM Formalisation of Micro Food Processing Enterprises Scheme propels the growth of micro food processing units through support for technology upgrades, capacity-building and marketing. The Production-Linked Incentive Scheme further energises domestic manufacturing and export growth by offering financial rewards tied to incremental



sales. Additionally, the Special Infrastructure Fund of Rs 2,000 crore under NABARD (National Bank for Agriculture and Rural Development) plays a crucial role in reinforcing the sector's infrastructure. This coordinated approach underscores a comprehensive strategy to elevate the food processing industry and related sectors, ensuring a robust, integrated and forward-looking growth path.

optimising supply chain management from the India's rapidly growing economy and its demographic

dividend create a unique and unprecedented opportunity for the food processing sector to reach new heights. The government's pro-business reforms, including strategic tax incentives, streamlined ease of doing business initiatives and significant infrastructure development, have fostered an environment ripe for investment and growth. This supportive landscape not only attracts global

attention but also positions India as a dynamic hub for innovation and expansion in the food processing industry. After the resounding success of the 2023 edition of World Food India, the ministry is organising the third edition of the global event from September 19 to 22. Stakeholders from every facet of the food industry will come together to exchange ideas, explore opportunities and contribute to the overall development of this crucial sector. It will be a one-of-a-kind gathering of manufacturers, producers, investors, policymakers and organisations from across the global food ecosystem. World Food India serves as a platform where stakeholders converge to explore innovations, forge partnerships and

chart a course towards a sustainable food future. Let us seize the opportunities and embark on a journey towards a more prosperous and resilient food system that benefits all stakeholders across the value chain. In this moment of convergence, we are not merely advancing an industry but also embracing a shared vision of a future in which innovation, sustainability and prosperity uplift every corner of our nation.

Swiggy incognito mode feature for food delivery

BENGALURU.PO-bound food aggregator Swiggy has launched an Incognito Mode feature, which allows users to place orders privately across food and quick commerce platform Swiggy Instamart.

It said this is to ensure privacy as with shared accounts being common, not every order is meant to be seen by family, friends or partners. This feature is currently available to 10% of Swiggy users and will be rolled out to all users soon. "As social as our lives are becoming, there are still things we prefer to keep private, and Incognito Mode is designed to address that need," said Rohit Kapoor, CEO of Swiggy's Food Marketplace.

In recent weeks, Swiggy has been introducing a range of new features and products. As per its FY24 results, it posted Rs 2,350 crore net loss in FY24 as against Rs 4,179 crore in the last fiscal. In June 2024, asset management firm Baron Capital marked up valuation of the firm to USD 15.1 billion from USD 12.1 billion in December 2023.

Spicejet, Carlyle pact to restructure plane lease



NEW DELHI. A Spicejet on Friday said it entered into an agreement with Carlyle Aviation Management Limited (CAML) to restructure certain aircraft lease obligations of the airline aggregating USD 137.68 million (as of June 30, 2024), which upon settlement/waivers will be adjusted to USD 97.51 million, owed to various lessor entities managed by CAML or its affiliates.

Carlyle Aviation would raise its stake in SpiceJet via equity conversion at Rs 100 per share. "Part of the outstanding lease arrears due to aircraft lessors i.e. aggregating to USD 137.68 million (as of June 30, 2024), as adjusted to USD 97.51 million are proposed to be restructured through issuance/purchase of securities, subject to compliance with applicable Indian law, approval of shareholders and execution of definitive agreement between the Parties, as under:

Such a number of equity shares of the company for Rs 100 per share, subject to an aggregate amount of not more than USD 30 million. LesSarrears, compulsorily convertible debentures of SpiceXpress & Logistics in a principal amount of USD 20 million," said SpiceJet under a regulatory filing.AA

India beats China in MSCI EM market index

NEW DELHI. India has overtaken China in the MSCI EM Investable Market Index (IMI) on September 4 to become the largest weight, and is nearing the threshold to surpass China as the top weight in the broader MSCI

Emerging Markets index as well.
The weight of India in MSCI EM IMI stood at 22.27% compared to 21.58% of China. MSCI IMI consists of 3,355 stocks and includes large, mid and small cap companies. It captures stocks across 24 Emerging Markets countries and targets coverage of nearly 85% of the free float-adjusted market capitalisation in each country. While main MSCI EM index covers large and midcap space, the IMI includes large, mid, and smallcap stocks. India's heavier weight vis-a-vis China in MSCI IMI stems from greater small-cap weighting in its basket. The rebalancing reflects broader market trends. While Chinese markets have struggled due to economic headwinds. Indian markets have benefitted from favourable macroeconomic conditions. In recent past, India posted a much better market performance, driven by macroeconomic fundamentals as well as robust performance by corporates.

Indices fall over 1 per cent ahead of US jobs data release

NEW DELHI. Following three weeks of a bull run, domestic equity market corrected sharply on Friday with the benchmark indices - BSE Sensex and NSE Nifty - crashing more than 1% each.

BSE Sensex closed 1,017 points or 1.24% lower at 81,183 levels while the Nifty shut shop 293 points or 1.17% lower at 24,852 levels. Investors lost a whopping Rs 5.31 lakh crore as the market capitalisation came down to Rs 460.37 lakh crore on Friday against Rs 465.68 lakh crore in the previous session.

The fall is attributed to the nervousness ahead of the release of the US job data as this would give clarity on the state of the world's largest economy and its willingness to go for a rate cut in near future. Profit booking at record high levels took place due to the Sebi's deadline over foreign institutional investors (FIIs) disclosure norm. Vishnu Kant Upadhyay, AVP, research and advisory at Master Capital Services, said investors are opting to stay on the sidelines, holding cash in anticipation of the US jobs report's release. "This fall is attributed to concerns over a potential slowdown in the US labour market, following the ADP non-farm employment report, which revealed that private businesses added only 99,000 jobs in August, much below the forecasted 144,000. Market participants are awaiting official non-farm payrolls report from the Bureau of Labor Statistics, expected later today," added Upadhyay

Additionally, nervousness in banking stocks has surfaced ahead of the release of loan and deposit growth data. Nifty50 has fallen below the critical 25,000 mark, prompting put writers to cover their short positions, exacerbating the market downturn, he said.

Council may cut GST on health insurance to 5 per cent

As per sources, among the proposals under consideration are options to allow mediclaim companies to charge a reduced GST rate of 5% without the benefit of input tax credit (ITC).

NEW DELHI. The Goods and Services Tax (GST) Council is set to discuss crucial matters that could reshape tax implications for mediclaim policies during its meet on September 9

The meeting will focus on proposals aimed at rationalising the current GST structure, which currently imposes an 18% tax on mediclaim premiums, which many stakeholders argue is unsustainable for consumers and insurers alike.

As per sources, among the proposals under consideration are options to allow mediclaim companies to charge a



reduced GST rate of 5% without the benefit of input tax credit (ITC) or to implement a uniform 5% rate specifically for business-to-consumer (B2C)

In the interest of common people, the best way for the GST Council it seems would be that the GST rate on mediclaim be reduced to 5% or 12% with the benefit of ITC available to the suppliers of the

policy. This would mean a pure vanila reduction of the GST rate for common people.Insurance companies are duty bound to pass on this benefit as they can't make profit from rate reduction due to anti-profiteering provisions under GST," suggested Vivek Jalan, Partner at Tax Connect Advisory Services LLP.

As per sources, the Council may also

scheme for another year i.e., FY21 However, all the states need to be in consensus on providing amnesty scheme for another year, say sources. This paper had reported in August that the Ministry of Finance will issue a circular regarding the Amnesty scheme, recently proposed in Budget 2024. The scheme aims to provide relief to taxpayers by waiving interest and penalties under certain conditions for tax matters arising between July 1, 2017, and March 31, 2020. addition to these topics, the agenda may also include a discussion on the refund of excess payments made by the Centre to states during the GST compensation period. The issue of compensation has become increasingly pertinent as states continue to raise concerns about financial challenges. Valuation of services for related-party payments Another important item on the agenda will be clarification regarding valuation of payments for services received from related parties, in light of recent cases involving Infosys. This clarification is expected to provide much-needed guidance to businesses that engage in inter-company transactions under the GST framework.

Maharashtra govt nod for USD 10 billion Adani-Tower Semicon proposal

NEW DELHI. The Maharashtra government approved a USD 10 billion semiconductor investment proposal from a joint venture between Tower Semiconductor and the Adani Group on Friday. As per Deputy Chief Minister Devendra Fadnavis, the unit will be established in Taloja, Panvel. While the government has approved the proposal, it has not yet received approval from the Union Ministry of Electronics and Information Technology, which has allocated USD 1 billion for semiconductor projects in the country.

As per the reports, the joint application by Tower Semiconductor and Adani Group is still under consideration by the India Semiconductor Mission (ISM) and the IT ministry.

ccording to the reports, the unit located in Navi Mumbai suburbs of Raigad district will have an initial overall



capacity of 40,000 wafer starts per month (WSPM) and a capacity of 80,000 WSPM. Of the total investment, Rs 58,763 crore will be allocated to the first phase and Rs 25,184 crore to the

second phase, deputy chief minister said.If approved, this project will be the country's second chip manufacturing facility and the sixth semiconductor plant for manufacturing or testing and packaging silicon chips. Earlier this week, the government had approved a Rs 3,307 crore outsourced assembly and testing (OSAT) unit proposal by Mysorebased Kaynes Semicon.

The OSAT unit will be set up in Sanand, Gujarat, with a capacity of 6.3 million chips a day. So far, the government has approved several semiconductor projects, including a chip fabrication unit in Dholera,

Gujarat, and four chip packaging units: three in Sanand, Gujarat, and one in Morigaon, Assam. The cumulative investment in these projects is Rs 1.50

'Multiple call recordings exist': Byju's cries foul after auditor BDO resigns

New Delhi Embattled edtech firm Byju's has hit back at its former auditor BDO (MSKA & Associates) after the latter resigned citing financial discrepancies and governance

In a strong response to BDO's resignation, Byju's has accused the audit firm of making unethical requests and manipulating the audit process, including suggesting the backdating of financial reports."Multiple call recordings exist, where BDO representatives explicitly suggest backdating these documents, which BYJU'S refused to do," the Byju's statement noted. The company highlighted that its decision to stand firm on ethical grounds was the real reason for BDO's resignation, not the concerns the auditor raised publicly.BDO had earlier raised doubts about Byju's ability to recover Rs 1,400 crore from a Dubai-based reseller, More Ideas General



Trading LLC, and noted delays in financial reporting and insufficient management support. The auditor also highlighted ongoing litigation and liquidation proceedings initiated by creditors as additional red flags.owever, Byju's pointed out significant gaps in BDO's handling of the situation.he edtech company claimed that BDO had requested clarifications on transactions from the company's suspended board shortly after Byju's entered insolvency proceedings on July 16, 2024. However, Byju's

claimed that BDO failed to communicate with the appointed Insolvency Resolution Professional (IRP), the entity in charge during this period. The edtech company further claimed that despite repeated efforts from the IRP to engage with BDO, the auditor did not respond, which led to misunderstandings and eventually their resignation."BDO's lack of communication with the IRP is surprising and suspicious," Byju's added. The edtech giant stated that it had proactively initiated a forensic audit of its transactions with its Dubai-based partner before BDO raised the issue, but the audit was paused due to the insolvency proceedings. Byju's, which has seen its valuation

fall from a peak of \$22 billion, is now facing

Bengaluru leads in manufacturing sector job openings

In its report on Talent **Insights Manufacturing Sector,** the firm said the sector is expected to lead in salary hikes as compared to other sectors.

BENGALURU. Bengaluru is not just a hub for tech innovation, the city is also emerging as a powerhouse for manufacturing factories. With 21%, it leads in the manufacturing sector job openings. The city is followed by Mumbai with 16% job openings, according to consulting firm Ishwa Consulting.In its report on Talent Insights Manufacturing Sector, the firm said the sector is expected to lead in salary hikes as compared to other sectors. The salary structures of manufacturing companies and newage IT companies differ significantly as in the manufacturing sector, a larger proportion of jobs fall within



the lower salary range of 0 - Rs 6 lakh. Whereas, new-age IT companies predominantly offer job openings in the mid-range salary bracket of Rs 6 -25 lakh. For high salary packages of Rs 25 lakh and above, the number of job openings is similar in both sectors.

Ishwa's 2024 Appraisal Report which covers last financial year's appraisals reveals higher average increases were

reported by manufacturing hubs in Western and Southern India, compared to their Eastern and Northern counterparts, with a lesser increase.

The reason behind this could be industry concentration and the dynamics of the talent pool in different regions. In the manufacturing sector, certain subdivisions like automotive showed a better appraisal outlook. This also indicated the sector's focus on innovation and technological advancements," as per the report. Western and Southern hubs see

higher pay raiseIshwa's 2024 Appraisal Report which covers last financial year appraisals reveals higher average increases were reported by manufacturing hubs in Western and Southern India, compared to their Eastern and Northern counterparts, with a lesser increase

mounting challenges on multiple fronts. Maximising returns: How to select top mutual funds for your portfolio

New Delhi. Wouldn't it be nice if there was a simple way to grow your money while you sleep?In today's world, everyone is looking for ways to invest and grow their savings. Some are diving into stocks, while others are exploring cryptocurrencies. But for many, mutual funds have emerged as a popular investment option, offering a balanced approach to growing wealth without the complexity of managing individual stocks.If you're thinking about mutual funds, you might be wondering-how you choose the right one? With so many options available, making the right choice can feel a bit like picking a meal from a menu—one wrong move, and you could end up with something that doesn't suit your taste. Mutual funds can be a smart way to maximise returns, but knowing how to select the right one is key to building a strong portfolio. Whether you're a first-time investor or someone looking to diversify, here are some simple things to keep in mind before you decide. Key factors to consider when choosing

mutual fundsLong-term performance -The first thing to check is the fund's performance over a long period. A fund might show impressive short-term gains, but how has it fared during different market cycles?Look at the returns over the past five to seven years, not just the most recent data. This will give you a clearer picture of the fund's consistency and help you avoid being misled by shortterm spikes."For prospective investors to decide which mutual fund is best to invest in, there are certain important aspects that should be focused on, while selecting the performance of the fund over a longer tenure. This helps them see the consistency of the fund in various market cycles and not just recent performances which can be misleading over a period of time," said Swati Saxena, Founder and CEO, 4Thoughts Finance.

Compare with peers - It's not just about how the fund is performing on its own; it's also important to compare it with others in the same category.



fund. Primary focus must be on the For example, if you're looking at large-cap funds, compare it with other large-cap funds to see how it stands over time. A good fund will show consistent results compared to its competitors. Stability of the fund management team - The people managing the fund can significantly impact its performance. If the team changes frequently, the fund's management style could change as well.So, look for a stable management team that has a proven track record of

delivering results. A fund's success often hinges on the people behind it.

Of late, there have been many fund houses where the entire team gets changed and consequently, the style of the fund and the way it's being managed changes with the transformation in the team," said Saxena. Assess underperformance -Sometimes, funds underperform due to specific investment decisions or market conditions. Before dismissing a fund that has had a poor quarter or year, try to understand why it underperformed.

Was it a temporary setback, or does it signal deeper issues? Understanding the reason behind a fund's performance can help you make a more informed choice.

Swati Saxena said that depending on the call, which is basically what kind of stocks they are investing, one should at least have a look at these aspects before completely negating a fund or selecting a fund. Assets under management (AUM) -Another factor to consider is the size of the fund, measured by its Assets Under Management (AUM).

AAP leader Kuldeep Kumar downplays Rajendra Pal's exit from party

Senior Aam Aadmi Party (AAP) leader Kuldeep Kumar dismissed Rajendra Pal Gautam's move to Congress, calling it a routine move before elections.

▶Party-switching before elections is common, AAP leader Kuldeep Kumar said

►AAP stayed calm about Gautam's departure to Congress

►The party viewed Gautam's move as a routine election shift New Delhi. Senior AAP leader and Delhi State Vice President Kuldeep Kumar downplayed the recent exit of ex-AAP MLA Rajendra Pal Gautam, who joined Congress on Friday. Kumar described the move as routine, noting that party-switching before elections is common. "When tickets are in doubt, some jump ship," Kumar said, emphasising the party's calm response.

Addressing Gautam's departure, Kumar highlighted that leaders often come and go during election seasons. "The AAP gave all due respect to him with significant responsibilities as a minister and overseeing multiple departments," Kumar stated. Kumar explained that switching parties is typical when candidates sense their

chances of securing a ticket are uncertain. He emphasised that this trend is not unusual in politics. Wishing Gautam well, he said, "I wish him all the best in his future political endeavors, and may he enjoy good health and happiness.

"Gautam, a prominent Dalit leader, joined the Congress in the presence of party leaders KC Venugopal, Devender Yadav, and Pawan Khera. Gautam joined AAP in 2014 and was elected as an MLA from the Seemapuri constituency in the 2020 Delhi Assembly polls.

Rajendra Pal Gautam, entrusting Gautam's departure from the AAP is the third high-profile exit from the party in recent times, following the exit of MLA Kartar Singh Tanwar and ex-Minister Raaj Kumar Anand.



Delhi govt to pay Rs 7.5 🗳 lakh relief for prisoners dying in jail

NEW DELHI. Delhi government has decided 🥘 to pay a compensation of Rs 7.5 lakh to the next of kin or legal heirs of prisoners who die due to unnatural reasons while confined in the jails of Delhi. The city government has submitted a proposal in this regard to the Lieutenant Governor (L-G) for his nod.

Unnatural custodial death could be caused due to quarrels among inmates, beatings by prison staff, torture, negligence by prison officers, or negligence by medical or paramedical officers. However, compensation will not be admissible in cases of unnatural death due to suicide, escape attempts from jail or lawful custody outside the jail, or in cases of natural death, disaster, or calamity. It will also not apply to deaths due to illness.

Commenting on this, Delhi Home Minister Kailash Gahlot, stated, "The state government believes that this measure will act as a deterrent against misconduct and negligence in our jails." Once approved, the policy will take effect from the date of notification, he added.

The superintendent of the jail concerned will be required to submit a detailed report, including a copy of the magisterial enquiry report, postmortem report, final cause of death, medical history at the time of admission in jail, and details of any medical treatment provided before the custodial death. The report will be sent to the Director General (DG) of Prisons, Delhi, for onward submission to the National Human Rights Commission (NHRC).

Dengue cases dropped by 94 per cent this year, says NDMC

NEW DELHI. Over 94% drop in cases of dengue were recorded this year, the New Delhi Municipal Council (NDMC) said on Friday. According to the data released by the civic body, seven cases of dengue were recorded till August 29, in comparison to 131 of the last year.

Moreover, no case of Chikungunya was recorded this time. Previous year, one case was reported. The data showed that the NDMC has issued 1,679 notices this year so far where mosquito breeding was found and 104 challans were issued till now.

NDMC Member Kuljeet Singh Chahal said that the NDMC is making all efforts to identify and eliminate existing mosquitoborne breeding conditions to prevent the outbreak of malaria and dengue in the area.

"Due to surveillance and awareness, cases of mosquito-borne diseases, especially dengue, have come down by 94 per cent. This year only seven patients of dengue have been detected as compared to the last year of 131."There was one patient of malaria, not a single patient of chikgunya has been registered this year. As compared to the MCD, it has reported 237 cases of malaria, 578 cases of dengue, and 30 cases of chikungunya," Chahal said.

The NDMC area divided into 14 circles wherein 15, anti-malaria mate 15 surveillance worker, 83 anti-malaria 🌉 gangman, and 29 seasonal anti-malaria workers with 30 additional workforce from civil department during monsoon seasons developed to prevent and checked the area by providing the machines like knap sack, battery spray machine, puls fog, vehicles mounted fogging machines, he said.



According to the NIA chargesheet, Inderpal Singh Gaba was one of the agitators who actively participated in the anti-India protest outside the Indian High Commission on March 22 last year.

New Delhi. The National Investigation Agency (NIA) has filed a chargesheet against a key accused, Inderpal Singh Gaba, in connection with the 2023 attack on the Indian High Commission in London. Gaba, a resident of Hounslow, UK, was arrested by the NIA in April this year in connection with the attack by pro-Khalistan supporters on March 19 and 22, 2023.

According to the NIA chargesheet, Inderpal Singh Gaba was one of the agitators who actively participated in the anti-India protest outside the Indian High Commission on March 22 last year. On that day, over 2,000 pro-Khalistan supporters vandalised



the High Commission buildings, throwing various objects, including ink, to deface them. Three days earlier, a mob had pulled down the Indian flag, injuring some embassy staffers in the process.

The attack was allegedly orchestrated by Avtar Singh Khanda, a UK-based Force (KLF), who later died in a UK hospital in June last year.

Meanwhile, Inderpal Singh Gaba was detained by immigration authorities at the Attari border in December 2023 upon his arrival from London via Pakistan. The detention was based on a lookout circular issued against him.

According to the NIA, a probe was initiated and Gaba was instructed not to leave the country while the investigation was ongoing. The NIA stated that it seized his mobile phone and analysed the data, uncovering several incriminating videos and photos of the incident, which eventually established his

Gayatri Devi's days in Mrs Gandhi's Emergency: Marriage proposals and sewer rats in Tihar

The Princess of Cooch Behar and Maharani of Jaipur, Gayatri Devi, was jailed for five-and-a-half months during the Emergency. She spent those months in Tihar jail with political prisoners, pickpockets, prostitutes, and sewer rats for



New Delhi."Once the news of my imprisonment got around, I was flooded with presents from my friends... People whom I did not know were sympathetic and astounded by my imprisonment. I even received letters from strangers proposing marriage from abroad, presumably calculated to get me out of India beyond the clutches of this dictatorial regime," recounted Gayatri Devi, the Princess of Cooch Behar and Rajmata of Jaipur, in her autobiography, A Princess Remembers: The Memoirs of the Maharani of Jaipur. It was end-July 1975. Gayatri Devi was 56. She, the Jaipur MP, was at her Delhi home to attend Parliament when she found police officers at her door. She was arrested under COFEPOSA (Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities) Act and thrown into Tihar, the place of incarceration of prisoners of the Emergency, political and otherwise. Nineteen British pounds in loose change, and a few gold coins did Gayatri Devi in. It was the Emergency and rules were flying out of the window faster than you can complete reading this sentence.

She brought the worst out in Indira Gandhi' For Indira Gandhi, contempt for Gayatri Devi ran deeper than skin-deep but skin did have a role to play. "Indira could not stomach a woman more petty, vindictive side," wrote Khushwant Singh.

India's second nuclear-powered submarine enhances strike range to 3,500 km

New Delhi. India has officially unveiled the advanced capabilities of its second nuclear-powered submarine, INS Arighaat, which can hit targets at longer ranges than its predecessor, INS Arihant. While INS Arihant is equipped with ballistic missiles capable of striking targets up to 750 kilometres away, INS Arighaat has been fitted with missiles that can reach up to 3,500 kilometres, top sources told

INS Arihant, commissioned in 2018, was the first boat of its class to join the Indian Navy. The second Arihant-class submarine, INS Arighaat, was commissioned on August 29, 2024, in Visakhapatnam in the presence of Defence Minister Rajnath Singh. In his address, Singh expressed confidence that INS Arighaat would bolster India's nuclear triad, enhance deterrence, and play a critical role in national security,



strategic balance, and regional peace. Singh praised the Indian Navy, DRDO, and the defence industry for their collaboration in developing this advanced capability, highlighting the project's positive impact on the country's industrial sector, especially MSMEs, and the creation of new employment opportunities..

Reflecting on former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee's role in establishing India as a nuclear power, the Defence

Minister said, "Today, India is surging ahead to become a developed country. It is essential for us to develop rapidly in every field, including defence, especially in today's geopolitical scenario. Along with economic prosperity, we need a strong military. Our government is working on mission mode to ensure that our soldiers possess top-quality weapons and

platforms made on Indian soil." INS Arighaat's construction involved advanced design and manufacturing technology, in-depth research and development, specialised materials, complex engineering, and skilled workmanship. It features indigenous systems and equipment conceptualised, designed, manufactured, and integrated by Indian scientists, industry experts, and naval personnel.

good-looking than herself and insulted her in Parliament, calling her a bitch and a glass doll. Devi brought the worst out in Indira Gandhi: her ndira and Ayesha, as Gayatri Devi was known to her friends and family, go back to their early years in Shantiniketan.

Delhi government approves compensation for unnatural custodial deaths

The Kejriwal government has approved a compensation of Rs 7.5 lakh for the families of those who die under unnatural circumstances in Delhi's prisons.

New Delhi. The Delhi government has approved a compensation of Rs 7.5 lakh for the families or legal heirs of prisoners who die under unnatural circumstances while in custody in Delhi's prisons. The proposal has been submitted to Lieutenant Governor VK Saxena for final approval.

Unnatural custodial deaths may include incidents caused by inmate fights, beatings by prison staff, torture, or negligence by prison officers, medical, or paramedical staff. However, compensation will not be provided in cases of death due to

suicide, escape attempts, lawful custody outside the jail, natural causes, disasters, or illness.

Delhi Home Minister Kailash Gahlot said the measure aims to deter misconduct and negligence in prisons. The policy, once



approved, will take effect from the date of notification.

The jail superintendent must submit a detailed report, including a magisterial inquiry report, postmortem results, the final cause of death, medical history upon

admission, and any medical treatment provided before the death. This report will be sent to the Director General of Prisons for submission to the National Human Rights Commission (NHRC).

A committee led by the Director General of Prisons, including the Additional Inspector General, Resident Medical Officer, DCA, and Law Officer, will review the reports and decide on compensation according to the rules. The committee is required to meet quarterly or as needed to review cases of custodial deaths and must inform the NHRC when compensation is awarded.

The policy also includes provisions for recovering compensation from the salaries of prison officials found responsible. If staff involvement is proven, the committee may order the



recovery of the compensation amount from the salaries of the erring officials as deemed appropriate.

prison staff's salaries

Israel strikes school, residential building in Gaza, 13 Palestinians killed

World At least 13 Palestinians were killed and 15 wounded in Israeli strikes on a school sheltering refugees and a residential building in Gaza, the Palestinian Authority's official news agency WAFA reported early on Saturday. At least eight of the dead were in refugee tents at Halima al-Sa'diyya School in Jabalia in northern Gaza, WAFA said. The Israeli army said in a statemen it had "conducted a precise strike on terrorists who were operating inside a Hamas command and control center embedded inside a compound that previously served as the 'Halima al-Sa'diyya' School in the northern Gaza Strip."In a separate incident, five Palestinians were killed in an Israeli strike on a residential building in the Nuseirat camp in central Gaza. The latest bloodshed in the decades-old Israeli-Palestinian conflict was triggered on October 7 last year when Hamas-led militants stormed into Israel, killing 1,200 and taking about 250 hostages, according to Israeli tallies.Israel's subsequent assault on the Hamas-governed enclave has since killed over 40,800 Palestinians, according to the local health ministry, while displacing nearly the entire population of 2.3 million, causing a hunger crisis and leading to genocide allegations at the World Court that Israel denies. According to the United Nations, at least 1.9 million people in the Gaza Strip are internally displaced, including some uprooted more than 10 times.

Panama deports 130 Indian 'irregular' migrants under USbacked repatriation deal

World Panama on Friday deported 130 Indian irregular migrants who had entered the country via the inhospitable Darien jungle, under a deal on repatriations signed with the United States in July. This was the first such expulsion outside the Americas under the deal, and the fourth in total.

Washington pledged \$6 million for migrant repatriations from the Central American nation in the hopes of reducing irregular crossings at its own southern border.Panama's director of migration, Roger Mojica, told reporters the Indians were deported on a charter flight to New Delhi for "irregular migration." At the same press conference, US Security Attache for Central America Marlen Pineiro said Washington was "very grateful to the government of Panama for all this support," adding that: "Irregular migration cannot continue.

The Darien Gap between Colombia and Panama has become a key corridor for migrants traveling overland from South America through Central America and Mexico to the United States. Despite the dangers, including attacks by criminal gangs, more than half a million undocumented migrants- mostly Venezuelans- crossed the Darien last year.

Fransit countries such as Panama and Mexico have come under increased pressure from Washington to tackle the highly contentious migration issue in a US election year.

Joe Biden to host UK PM Keir Starmer in White House on September 13

Washington US President Joe Biden will host British Prime Minister Keir Starmer on September 13, the White House said on Friday. "The leaders will have an in-depth discussion on a range of global issues of mutual interest, including continuing robust support to Ukraine in its defense against Russian aggression, securing a hostage release and ceasefire deal to end the war in Gaza, protecting international shipping in the Red Sea from Iranian-backed Houthi threats, and advancing a free and open Indo-Pacific," it

UN investigator accuses Israel of a 'starvation campaign' in Gaza that Netanyahu denies

UNITED NATIONS. The UN independent investigator on the right to food accused Israel of carrying out a "starvation campaign" against Palestinians during the war in Gaza, an allegation that Israel vehemently denies. In a report this week, investigator Michael Fakhri claimed it began two days after Hamas' surprise attack in southern Israel that killed some 1,200 people, when Israel's military offensive in response blocked all food, water, fuel and other supplies into Gaza.Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said accusations of Israel limiting humanitarian aid were "outrageously false." "A deliberate starvation policy? You can say anything — it doesn't make it true," he said in a press conference Wednesday. Following intense international pressure — especially from close ally the United States — Netanyahu's government gradually has opened several border crossings for tightly controlled deliveries. Fakhri said limited aid initially went mostly to southern and central Gaza, not to the north where Israel had ordered Palestinians to go.

Pak man arrested for plotting attack in US on anniversary of Hamas attack



New York A Pakistani man was arrested in Canada this week and accused of plotting a mass shooting at a Jewish centre in Brooklyn on the one-year anniversary of the October 7 attack by Hamas that sparked the latest conflict in the Middle East, federal authorities announced Friday.US Attorney General Merrick Garland said Muhammad Shahzeb Khan had attempted to travel from Canada, where he lives, to New York City with the "stated goal of slaughtering, in the name of ISIS, as many Jewish people as possible."The 20-year-old, who is also known as Shahzeb Jadoon, was apprehended on September 4 and charged with attempting to provide material support and resources to the terror group, which stands for the Islamic State of Iraq and al-Sham. Jewish communities — like all communities in this country should not have to fear that they will be targeted by a hate-fueled terrorist attack," Garland said in



Khan has a lawyer, where in Canada he was being held and when he may be brought to the US to face the charges.partment and the Manhattan federal prosecutor's office, which is handling the case, deferred to Canadian national police, which didn't respond to an email seeking comment but said in a statement posted online that Khan will appear in the Superior Court of Justice in Montreal on September 13."This planned antisemitic attack against Jewish people in the US is deplorable and there is no place for such ideological and hate-motivated crime in Canada," Michael Duheme, commissioner of the Royal Canadian Mounted Police, said in the statement.US authorities said Khan began sharing ISIS propaganda videos and expressing his support for the terror group in social media posts and communications with others on an encrypted messaging app last November.In conversations with two undercover law enforcement officers, he said he was trying start a "real offline cell" of ISIS in order to carry out attacks

against "Israeli Jewish chabads" in America. Khan said he and another ISIS supporter based in the US needed to obtain AR-style assault rifles, ammunition, hunting knives and other materials, according to the Justice Department.Khan also provided details about how he would cross the border from Canada and said he was considering conducting the attacks on either the October 7 anniversary or on October 11, which is the Jewish holiday of Yom Kippur, authorities said.On August 20, he told the undercover officers that he had settled on targeting New York because of its sizeable Jewish population and sent a photograph of the specific area inside a Jewish center where he planned to carry out the attack, according to the Justice Department. His online messages described the Brooklyn site, which is not named in court documents, as "the ultra orthodox hasidic jews world headquarters.

US teen shot dead by another during altercation in school bathroom

school died after being shot by another student during an altercation on Friday in a school bathroom, Harford County Sheriff Jeff Gahler said. Warren Curtis Grant, 15, died after the shooting at Joppatowne High School, the sheriff said at a media briefing.

A 16-year-old student whom police identified as the shooter fled shortly afterward but was caught minutes later nearby."He has yet to be charged, but will be charged, and at the time those charges are preferred as an adult, we will release the name of the suspect," Gahler said.

Gahler also said that the sheriff's office has had more than 10 incidents since 2022



"where the suspect was either the victim, witness or the suspect in an incident handled by the Harford County Sheriff's Office," adding that the investigation was

Shortly after the shooting, the sheriff's office asked people to avoid the area, but emphasised that the confrontation was an "isolated incident, not an active shooter." A parent-student reunification centre was established at a nearby church. More than 100 personnel responded to the high school about 20 miles (32 kilometers) northeast of Baltimore, Gahler said.

The fight happened two days after a shooter whom authorities identified as a 14-year-old student killed four people at a high school outside Atlanta. Wednesday's attack renewed debate about

safe storage laws for guns and had parents wondering how to talk to their children about school shootings and trauma.

Turkish-American Woman "Shot In The Head" After Israeli Forces Open Fire

Nablus. A Turkish-American woman was shot dead Friday while demonstrating against Israeli settlements in the occupied West Bank town of Beita, where the army acknowledged opening fire. Turkey identified the woman as Aysenur Ezgi Eygi, condemning her death, while the United States called it a "tragic" event and called on its ally Israel to carry out an investigation. While Washington stopped short from blaming anyone, the UN rights office directly accused Israeli forces of killing Eygi, saying Israeli security forces "shot in the head and killed" her.The incident occurred as Israeli forces withdrew from a deadly 10-day raid in the West Bank city of Jenin, another point in the Israeli-Palestinian conflict, amid the ongoing Gaza war. The raid, part of broader Israeli military

operations, has drawn international criticism, with Israeli ally Germany warning against escalating military actions in the West Bank. The UN said Eygi, 26, was participating in a "peaceful anti-settlement protest" in Beita, scene of weekly demonstrations. Israeli settlements in the West Bank -- where some 490,000 people live -- are illegal under international law. She arrived at the Rafidia hospital in Nablus "with a gunshot in the head" and was later pronounced dead, said hospital director Fouad Nafaa. Turkey said she was killed by "Israeli occupation soldiers". President Recep Tayyip Erdogan condemned the Israeli action as "barbaric"."We are deeply disturbed by the tragic death of an American citizen," said White House ISM activist, who spoke on condition of anonymity, said the shot that killed Eygi Press Secretary Karine Jean-Pierre

aboard Air Force One travelling with President Joe Biden."We have reached out to the government of Israel to ask for more information and request an investigation into the incident," she added.The Israeli army said it was looking into her death. Eygi was a member of the International Solidarity Movement (ISM), a pro-Palestinian organisation, and was in Beita for a weekly demonstration against Israeli settlements, said Neta Golan, the group's cofounder.Beita mayor Mahmud Barham said he was told an Israeli soldier "fired two shots" at protesters demonstrating against an Israeli settlement outpost, with one bullet hitting Eygi "in the head". An ISM activist, who spoke on condition of

UK man gets 9 years in jai after far-right riot at hote housing asylum seekers

World. A man who helped fuel a fire outside a hotel housing more than 200 asylum-seekers was sentenced Friday to nine years in prison, the longest punishment handed so far to those involved in last month's wave of far-right riots in England.At the sentencing hearing at Sheffield Crown Court in the north of England, painter and decorator Thomas Birley pleaded guilty to the charge of arson with the intent to endanger life at the Holiday Inn Express hotel in nearby Rotherham last month.Judge Jeremy Richardson told Birley, 27, that his case was "unquestionably" one of the most serious of the dozens he has dealt with in the past month in relation to the rioting outside the hotel on Aug. 4. He said he needed to pass an extended sentence due to Birley's danger to the public, and ordered that when he is eventually released he should be on licence for five years, meaning that if he reoffends he would be liable to go back to prison. The judge said he was particularly concerned about aspects of a presentence report that said Birley had an interest that "borders the territory, if not crosses it, to a white supremacist mindset."Birley, who has previous convictions, including for racially aggravated harassment, admitted arson with intent to endanger life, violent disorder and possession of an offensive weapon at a previous hearing. Overall, the judge said that like the other outbreaks of violence in England in early August, the case around the attack on the hotel was "suffused with racism."The court heard how the masked Birley was involved in many of the worst incidents on that Sunday afternoon, including adding wood to the fire in a bin that had been pushed against an exit, and helping place a further bin on top of the one ablaze.Birley was also filmed throwing projectiles at the police, squaring up to officers while brandishing a police baton and throwing a large bin that crashed into a line of police with riot

Goats, rabbits, horses: US man kills 81 animals in 3-hour shooting spree

The accused went on a shooting spree in Northern California and killed 81 animals, including miniature horses, goats and chickens.

San Francisco. A man suspected of going on a three-hour shooting rampage in Northern California and killing 81 animals, including miniature horses, goats and chickens, pleaded not guilty to animal cruelty and other charges.

Vicente Arroyo, 39, made his first court appearance Thursday after Monterey County Sheriff deputies arrested him earlier in the week for allegedly using several weapons to shoot the animals being housed in pens and cages on a lot in the small community of Prunedale.The animal owners do not want to be identified or speak with the media, Monterey County Sheriff Commander Andres Rosas told The Associated Press Friday.

"I went out there, and it was a pretty traumatic scene. These were people's pets," he said. One of the miniature horses belonged to the owner of the lot where the animals were housed, and the other 80 belonged to someone who rented the land to house their pets, Rosas said. According to court records, Arroyo was charged with killing 14 goats, nine chickens, seven ducks, five rabbits, a guinea pig and 33 parakeets and cockatiels. Arroyo is also charged with killing a pony named Lucky and two miniature horses named Estrella and Princessa, KSBW-TV reported.Some animals survived the shooting that lasted several hours but had to be euthanized because of the severity of their injuries, Rosas said. Rosas said Arroyo lived in a camper in a vineyard next to the lot where the animals were kept and that a motive is not yet known. His attorney, William Pernik, said that after talking to Arroyo and his family he became concerned about his client's mental competency and asked the judge for a mental health evaluation. We're dealing with an individual who has very serious charges and who does not appear to be in the



right state of mind to understand the proceedings against him," Pernik said.Pernik said that Arroyo's family had reached out to various country agencies to get help for him but that "unfortunately, he did not receive that mental health help in

time before this tragic incident. The judge ordered Arroyo, who is being held on a \$1 million bail, to undergo a mental evaluation. The court will get an update on Arroyo's mental status in two weeks, Pernik said. Authorities received multiple 911 calls around 3.25 am Tuesday reporting shots being fired in

Prunedale, an incorporated community about 8 miles (13 kilometres) from the city of Salinas, he said. Deputies who arrived on the scene could hear shots being fired, and a shelter-in-place was ordered for a five-mile radius.Monterey County SWAT members were sent in, and the sheriff's office also

requested drone assistance from the nearby Seaside Fire Department and Gonzales Police Department, Rosas said Officers in an armored vehicle arrested Arroyo without incident, he said.Deputies found a crashed pickup truck and recovered eight firearms, including long rifles, shotguns and handguns, at the scene. After executing a search warrant on Arroyo's camper, they found another seven firearms, including an illegal AK-47 assault rifle, two ghost guns, and about 2,000 rounds of various calibers of ammunition,

He Is "Very Pro-India": Hindu Group Endorses Trump Over Kamala Harris

Announcing the decision on Thursday, Hindus for America First chairman and founder Utsav Sanduja claimed that Harris would be "very destabilising for Indo-US relations".

Washington. Hindus for America First, a newly created grassroots organisation, has announced it will endorse Republican presidential candidate Donald Trump and launch a campaign against Democratic nominee Vice President Kamala Harris in the key battleground states of Pennsylvania, Georgia and North Carolina. Announcing the decision on Thursday, Hindus for America First chairman and founder Utsav Sanduja

claimed that Harris would be "very destabilising for Indo-US relations"."The concern is that if Kamala becomes the president of the United States, then she might put in some liberal wolves on the bench who may actually reverse the Supreme Court on this (and) that impacting the Asian-American voters," he said. The Biden-Harris administration has not kept the border secure. Harris is the second in command after President Joe Biden and did nothing to stem the flow of illegal immigrants into the US, he said."As a consequence of all these illegal immigrants, we've seen record crime, record drug smuggling... and it ends up affecting minority communities, in particular many of the Asian-American business owners," he said.On the other hand, Sanduja praised Trump's efforts to make the immigration system more merit-based. He also lauded the



former president's efforts to bolster defence and technology cooperation with India.

Trump is "very pro-India". He was able to cultivate an excellent relationship with Prime Minister Narendra Modi and collaborate on many defence projects that would enable India to take on China, he said. Unlike Harris, who made a lot of "disparaging remarks" about the government and people

of India, Trump did not interfere in the

country's internal affairs, Sanduja said. Kamala Harris would be very destabilising for Indo-US relations," he claimed.

He said Hindus for America First is organising efforts among Hindus in battleground states like Georgia, North Carolina, Pennsylvania, Michigan, Wisconsin, Aizona, and Nevada against Harris.Sanduja said the global Hindu community is concerned about the attacks on Hindus in Bangladesh."We would request all political entities concerned to raise this issue," he said, adding that the Hindus of Bangladesh are suffering. Listen to the latest songs, only on JioSaavn.com"I give President Trump a lot of credit. Under his leadership, the State Department acknowledged the persecution of Hindus in various parts of the subcontinent, like in Afghanistan...Pakistan, it was President Trump that took the leadership in acknowledging Hindu genocide," he said.

This Italian town bans cricket as mayor UTT: Diya helps Delhi set up summit targets Bangladeshi immigrants

-Monfalcone has officially

banned cricket, with fines up

to €100 for those playing the

sport within town limits. The

ban is part of a broader anti-

immigrant crackdown by the

New Delhi. A town in northern Italy has

banned cricket, a decision made by its

mayor, who views the sport and the

Bangladeshi immigrants who play it as

foreign and "incompatible" with local

culture.ccording to a report by the BBC, the

town of Monfalcone officially banned the

sport and has imposed fines of up to €100 on

those found playing cricket within its limits.

The ban has become a symbol of the broader

ethnic tensions in Monfalcone, which is

situated near Italy's Adriatic coast. The

town—with a population of about

30,000—has nearly a third of its residents as

town's far-right mayor.

CHENNAI. Young Diya Chitale turned out to be the game-changer for Dabang Delhi TTC, as she kept her cool in the dying moments of the second semi-final to help the 2018 Ultimate Table Tennis (UTT) champions edge out debutants Ahmedabad SG Pipers 8-6 and charge into the final of the IndianOil UTT 2024 at the Jawaharlal Nehru Indoor Stadium in Chennai on Friday.

clash with Goa

The G Sathiyan-led team from Delhi will now take on defending champions Athlead Goa Challengers in the clash for the title on Saturday. Ahmedabad SG Pipers were off to a promising start with Lilian Bardet defeating Sathiyan 2-1 (11-4, 5-11, 11-5) in the first men's singles. Orawan Paranang, who was later adjudged the Foreign Player of the Tie, outclassed the in-form World No.13 Bernadette Szocs by a 3-0 (11-7, 11-9, 11-9) margin to hand a 4-2 lead to Dabang Delhi TTC. Today's defeat was only the second for Bernadette in the entire season and ended a winning streak of four matches for the Romanian star.



Ahmedabad SG Pipers wrested the lead right back as Bernadette and Indian Player of the Tie, Manush Shah continued their undefeated run this season by blanking the Dabang Delhi TTC pair of Orawan and Sathiyan 3-0 (11-9, 11-7, 11-9) in the mixed doubles match. Andreas Levenko kept Dabang Delhi TTC in the hunt by registering his first win of the season by defeating dangerous Manush 2-1 (11-8, 10-11, 11-8) in the second men's singles.

With the tie squared at 6-6, it all boiled down to the second women's singles and Diya ensured the ticket to the final for Dabang Delhi TTC with an effortless 2-0 (11-8, 11-4) over Reeth Rishya of Ahmedabad SG

Fritz and Pegula: First time an American man and woman in US Open final since 2002

New Delhi. USA natives Taylor Fritz and Jessica Pegula reached the respective final in the men's and women's singles at the US Open 2024. This is the first time since 2002 that an American man and woman will compete in the singles event of US Open final. Defending champion from the USA Coco Gauff might have suffered an early exit in the quarter-final, but others ensured American representation at the event. It was an all-American semi-final between Taylor Fritz and Frances Tiafoe, which happened for the first time since US Open 2005. It was Fritz who emerged victorious with a 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 win over Tiafoe at the Arthur Ashe Stadium in New York on September 7, Saturday (India time). In the women's singles semi-final, USA's Jessica Pegula reached her maiden Grand Slam final by beating Karolina Muchova 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1. She set up a final clash against women's world No. 2 Aryna Sabalenka and Fritz will face men's world No. 1 Jannik Sinner. Going into the final, Fritz and Pegula might not be



ranked favourites against Sinner and Sabalenka who have been tough to beat at hard courts and won the Australian Open 2024 this year in the men's and women's draw categories.

2 Americans in US Open final

Seedings wise, Fritz and Pegula might not be favourites, but they would be having full support of the New York crowd who would be expected to be really noisy on the day of the finals.Sabalenka knew how to win not just the matches, but the crowds as well. A day after promising "drinks" to the New York crowd if they support her in the US Open 2024 semi-final against home favourite Emma Navarro, the World No.2, following her win against the 13th-seeded American, teased packed Arthur Ashe Stadium by saying their cheers came "a bit too late". As she would face Pegula, she already promised Margaritas to the crowd if they would cheer for her in the final.

foreigners, mainly Bangladeshi Muslims who came in the late 1990s to at a major shipyard. Monfalcone's cultural landscape has been reshaped with Bangladeshi restaurants, halal shops, and a network of cycle paths frequented by the South Asian community.

Mayor Anna Maria Cisint, representing former Prime Minister Matteo Salvini's far-right Lega party, campaigned on an anti-immigration platform and has made efforts to "protect local culture" and "Christian values.""Our history is being erased," she told the BBC, lamenting the changes she believes are negatively impacting the town.

Miah Bappy, a Bangladeshi migrant worker at Italy's largest shipyard, Fincantieri, told the BBC that he and his fellow countrymen are forced to play cricket on the outskirts of the city.Bappy explained that playing within Monfalcone attracted immediate police intervention. He cited a recent incident where Bengali teens were fined after being caught on security cameras while playing in a local park. But the cricket ban is merely the tip of the iceberg, reflecting a wider anti-



immigrant crackdown spearheaded by the mayor.During her two terms, Cisint has removed benches from the town square and criticised the attire of Muslim women at the beach.ensions escalated when Cisint reportedly banned collective prayer at the town's two Islamic centres, citing urban planning issues. She also accused the Bangladeshi community of fostering "Islamic fundamentalism."On the cricket ban, Cisint told the BBC that the Bangladeshi community has contributed nothing to the city and should play elsewhere. She argued that there is neither space nor funds to build a cricket pitch and cites safety concerns over cricket balls."They've given nothing to this city, to

our community. Zero.""They are free to go and play cricket anywhere else...outside of Monfalcone," she told the BBC. The mayor is also facing death threats due to her views on Muslims and has been under 24-hour police protection. Meanwhile, Cisint has accused Fincantieri of wage dumping, paying below market rates, but Cristiano Bazzara, the shipyard director, asserts that wages comply with Italian law."We are not able to find trained workers. In

Europe, it's very difficult to find young people who want to work in a shipyard," Bazzara told the BBC. Notably, Italy faces significant labour shortages and has one of Europe's lowest birth rates, necessitating a continued influx of foreign workers. The country is projected to need 280,000 foreign workers annually until 2050 to address the shrinking workforce. This has prompted Prime Minister Giorgia Meloni to increase work permits for non-EU nationals despite running on an anti-immigration platform.Bangladeshi residents, such as 19year-old Meheli, feel targeted by the mayor's actions and report harassment due to their heritage.

Jurgen Klopp returns to Borussia Dortmund for special testimonial match

Jürgen Klopp's return to Borussia Dortmund, seen in the club's official training kit, has fans buzzing with nostalgia. Back for a special testimonial match, his presence fuels speculation about his next managerial chapter.

New Delhi. Jurgen Klopp was spotted back at Borussia Dortmund's training ground, donning the Bundesliga side's official training kit, sending fans into a frenzy of excitement. The beloved manager has returned to Dortmund for a special testimonial match honouring club legends Lukasz Piszczek and Jakub BÅ, aszczykowski.



This marks Klopp's first time managing a match since his departure from Liverpool earlier this year. He will be taking charge of BÅ, aszczykowski's special eleven, which is set to face off against Piszczek's team, comprising a mix of current and former Dortmund players. The event is highly

anticipated, with fans eager to see Klopp back on the sidelines at a club where he made a significant impact.Before making his mark in the Premier League with Liverpool, where he led the team to both Premier League and UEFA Champions League glory, Klopp's managerial career truly began to shine during his time at Borussia Dortmund. As head coach from 2008 to 2015, he led Dortmund to back-toback Bundesliga titles in the 2010-11 and 2011-12 seasons, solidifying his reputation as one of the top managers in football.Klopp's return to Dortmund has reignited speculation about his future, as he has yet to decide on his long-term plans with any club. During his final days at Liverpool, Klopp mentioned that he would take time before choosing his next chapter, leaving fans and pundits alike wondering where his next destination might be. For now, though, his return to Dortmund is a nostalgic moment for fans who remember the glory days under his leadership.

Manay Suthar auditions for spinner's role with a 7wicket haul in Duleep Trophy

New Delhi. Left-arm spinner Manav Suthar shone on Day 3 of the Duleep Trophy with a seven-wicket haul for India C. With Ravichandran Ashwin and Ravindra Jadeja dominating red-ball cricket with their finger spin for more than a decade, the realisation has recently come about who would succeed them. The team has rarely looked past them, and with the veterans now nearing the twilight of their careers, the hunt is on for another finger spinner. While the likes of Axar Patel and Kuldeep Yadav are already flourishing in their roles, Suthar's impressive performance has brought a breath of fresh air.

The Rajasthan-born spinner picked up seven wickets at the Rural Development Trust Stadium in Anantapur on Saturday, September 7. These are also the best figures by a spinner at the venue in first-class cricket. His exploits with the ball began by the end of Day 2 in the match between India



ENG vs SL: England's Ollie Pope scripts Test cricket history with unique feat

► England vice-captain Ollie Pope registered a unique feat as he scored his seventh Test century on Day 1 of the third Test against Sri Lanka. Pope scored an unbeaten 103 (103) on Day 1 at

New Delhi. England vice-captain Ollie Pope etched his name in history books as he registered his seventh century on Day 1 of the third Test against Sri Lanka on Friday September 6 at Kennington Oval, London. Pope reached the landmark late on the opening day as he found a boundary through the off side and brought up his ton off just 102 balls. Following his landmark achievement, he scripted history to become the first player in the history of the game to score his first seven centuries in the longest format against seven different oppositions. Notably, Pope scored his maiden hundred (135*) against South Africa in Gqeberha in

022 against New Zealand in Nottingham to register his second ton. Pope brought up his next four centuries against Pakistan (108), Ireland (205), India England finish Day 1 on 221/3

(196) and West Indies (121). The best innings of his career so far came against India earlier this year in the opening Test of the five-match series at the Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad. He scored a phenomenal 196 (278) in a master

January 2020.He further scored 145 in class of reverse sweeps on a spinning surface to help England come bac Test after conceding a 190-run lead in the first innings.

Courtesy of his effort, the Ben Stokes-led side set a target of 231 runs to chase down for India in the fourth innings and managed to win by 28 runs. Meanwhile, coming back to the third Test against Sri Lanka, England were asked to bat first by the Sri Lanka captain Dhananjaya de Silva on a cloudy morning.Daniel Lawrence departed early scoring just 5 in the tenth over but Pope and Ben Duckett continued to keep the scoreboard moving with their 95-run stand. Duckett was

dismissed for 86 by Milan Rathnayake while in-form Joe Root had a rare failure and departed for just 13 to leave England on 191/3. Following his dismissal, Pope (103*) and Harry Brook (8*) took England to stumps with the score on 221/3.

C and India D. India D captain Shreyas Iyer and Devdutt Padikkal played counter-attacking innings, both scoring fifties. However, the team lost five wickets in the final session, with Suthar claiming all five of them in the last 15 overs of the day. Manay Suthar's 7-star performance

Manav Suthar impresses

The Anantapur pitch offered a sharp turn and bounce, and Suthar made full use of the conditions. The 22-year-old orchestrated a remarkable collapse, reducing India D from 186/4 to 203/8. His key scalps included Padikkal and the well-set Ricky Bhui. Suthar also cleaned up the tail, finishing with magical figures of 7/49 in 19.1 overs. Suthar made his Ranji Trophy debut for Rajasthan in 2022, boasting 65 wickets in 14 First-Class matches. His breakthrough season came in 2022-2023, when he emerged as Rajasthan's leading wicket-taker with 39 scalps. This year, he was part of India A, which hosted three unofficial Tests against the England Lions. He played one game and picked up five wickets across two innings.

Dybala opens up on donning Messi's Argentina number 10 kit: I know it's not mine

Paulo Dybala embraced the honor of wearing Lionel Messi's iconic number 10 jersey during Argentina's World Cup Qualifier against Chile. Despite Messi's absence, Dybala expressed his determination to live up to the legendary number's values, contributing to Argentina's 2-0 victory.

New Delhi. Paulo Dybala had a heartwarming response when asked about the honor of wearing Lionel Messi's iconic number 10 jersey during Argentina's FIFA World Cup Qualifier against Chile on September 6. Messi was absent from the match due to an ankle injury sustained during the Copa America 2024 Final, which has also sidelined him from Inter Miami CF's ongoing Major League Soccer season. Dybala, who stepped into Messi's shoes, acknowledged the immense privilege and responsibility that comes with donning the legendary number 10 jersey. He expressed his deep respect for Messi and emphasized that he did his best to live up to the values associated with the iconic



number. The 30-year-old added that it was a decision made by the Argentinian coaching staff and supported by his teammates."I know it's not my shirt, we all know it's Leo's shirt but well, I way, to give my best and I think I was able to do it," Dybala said. "It

was a decision made by the coaching staff, some of the boys said that it had to be meâ€æ I didn't know whether to accept it or not because, well, it is a responsibility," Dybala added. tried to represent it in the best Initially, Dybala wasn't part of the first 23 players called up for the

qualifier but was eventually

79th minute, replacing Liverpool's Alexis Mac Allister. At that point, Argentina was leading 1-0, thanks to a goal by Julián lvarez. Paulo deserves it. He has the experience and talent to carry the number, and we shouldn't put too

included in the squad. He began the match on the bench and was

brought on as a substitute in the

much weight on it. It's an honour," Argentina coach Lionel Scaloni said. Shortly after Dybala entered the field, lvarez extended Argentina's lead, making it 2-0 and then it was the additional time which saw the AS Roma attacking midfielder score the third goal for his side and extending the special occasion for him up by another notch.

Sunday, 08 September 2024 Shilpa Shinde Alleges Sexual



Ever since the findings of the Justice Hema Committee Report were made public, several actors have come forward with shocking stories of sexual assault and harassment in the Malayalam, Tamil and Telugu film industries. Now, actress Shilpa Shinde has alleged that she was sexually assaulted by a Hindi filmmaker during the early days of her career. In an exclusive conversation with News18 Showsha, Shilpa Shinde claimed that she was once asked to seduce a filmmaker under the guise of an audition. She explained that she was "very innocent" at the time and, as a result, agreed to do the scene. However, when the situation escalated, she realised the producer was crossing boundaries and managed to push him away before running out."It was during my struggling days, around 1998-99. I cannot take names, but they told me, 'Aap yeh kapde pehno aur yeh scene karo' (wear these clothes and do this scene). I didn't wear those clothes. In the scene, he told me he was my boss, and I had to seduce him. I was very innocent then, so I did the scene. That person tried to force himself on me, and I got so scared. I pushed him away and ran out. The security staff realised what had happened and asked me to leave immediately. They thought I would make a scene and call for help," she shared. However, the former Bigg Boss winner chose not to reveal the producer's name. "He was from the Hindi film industry. I agreed to do the scene because he was also an actor," she said, adding, "I'm not lying, but I cannot take his name. His children are probably a little younger than me, and if I name him, they will suffer too."Shilpa also recounted an encounter with the same producer years later. "After a few years, I met him again, and he spoke to me kindly. He didn't recognize me and even offered me a film role. I refused. He still doesn't remember me."The actress, who rose to fame with Bhabi Ji Ghar Par Hai!, went on to say that similar experiences have happened to many others in the industry. "These things happen to

Ravi Dubey's Birthday Wish For Wife Sargun Mehta Is **All Things Love**



Ravi Dubey never shies away from PDA for his wife Sargun Mehta on social media. On Sargun's 36th birthday on Friday, the actor dropped an Instagram post featuring photos of the duo looking at their ravishing best. The post was accompanied by a heartwarming birthday note for Sargun,"Happy birthday to my life, my wife, my deity, my everything I love you my darling," Ravi wrote in the captions.

In the images shared with the post, both Ravi and Sargun are dressed in traditional attire. While the actor is wearing a black sherwani with a contrasting golden and silver waistcoat, Sargun looks straight out of a dream in a golden lehenga set. Ravi Dubey is completely smitten by his wife Sargun Mehta and his social media timeline is proof of it. The actor's birthday post for Sargun from last year screamed just love.Dropping an album that featured their pictures from various occasions, Ravi wrote, "Humesha lagta tha mujhe ki Sargun meri kismet hai...magar Sargun sirf meri kismet nahi, woh sakshaat kismet hi hai...Jis cheez ko haath laga de woh sona ho jaye...jise dekh bhar le uspe rehmat baras jaye, meri hasrat, neymat, shohrat, Barkat sab tumse hai..janamdin mubarak kismet. P.S. This is your world Sargun Mehta, we just live in it. happy birthday."

Talking about her relationship with Ravi, Sargun powered her heart out."I felt that he was like those men you read about in books. If I had typed it out on the computer with all the things that I liked, I would have printed it out! He checked every checkbox that I ever had, the actress said. "But when he proposed to me for marriage, I was a bit taken aback. It was out of the blue, but after some point, there was no second thought about it. It just felt perfect right from the beginning," added Sargun Mehta.Ravi Dubey proposed to Sargun Mehta in a dramatic manner in December 2012 during their appearance on Nach Baliye Season 5. Right after their performance, he knelt and popped the question with a solitaire ring.On December 7, 2013, the couple exchanged vows in a traditional Hindu ceremony.

Sonalee Kulkarni Makes Ganesha Idol At

Home With Brother

Ganesh Chaturthi is a major Hindu festival that marks the birth of Lord Ganesha, the son of Lord Shiva and Goddess Parvati. The festival is celebrated with great devotion for ten days, culminating in the immersion of Lord Ganesha's idol. In 2024, Ganesh Chaturthi celebrations will begin on Saturday, September 7, with the ten-day Ganesh Utsav concluding on Tuesday, September 17. Everyone is getting ready and are busy decorating their Ganesha idols. As Bappa is coming, there is a happy and festive atmosphere everywhere. Marathi actress Sonalee Kulkarni is also preparing for the Ganpati celebration. She has shared a video showing how hard she is working for the arrival of Lord Ganesha. Her video has caught everyone's

attention.Sonalee Kulkarn is ready to welcome Bappa. This year's Ganapathi Bappa has also been made by the actress at home. She has made a special Ganesha idol from Shadu soil. She shared a video of making a Ganesha idol. This video is

going viral on social media.

In the video shared by Sonalee, she along with her brother Atul Kulkarni are making a special idol of Ganpati Bappa together. From Shadu clay, they have made an idol in which Ganapati is sitting beside Lord Shiva's idol, and his mount mouse is also seen in front of him. This special concept of Sony is getting liked by netizens. People are seen pouring likes and comments on the video.

The 10-day Ganapati festival starts on the fourth day (Chaturthi) of the Hindu month of Bhadrapada, typically occurring between August and September in the Gregorian calendar. Hindus observe Ganesh Chaturthi, which is also known as Lord Ganesha's birthday, with great fervour and devotion in order to honour the Hindu deity and ask for his blessings on living a prosperous and trouble-free life. Sonalee Kulkarni was recently seen in the epic action drama film Malaikottai Vaaliban. This film is directed by

Pellissery. The film stars Mohanlal in a dual role, alongside Sonalee Kulkarni, Danish Sait, Manoj Moses, Katha Nandi, and Manikandan R Achari in supporting roles.

Lijo Jose Pellissery and written by PS Rafeeque from a story by Rakul Preet Singh



Couples who workout together, stay together. It seems Rakul Preet Singh and Jackky Bhagnani are by this principle. A video showing the couple stepping out of a gym after what appears to be an intense workout is going viral. Carrying their water bottles in one hand and mobile phones in another, their post-workout glow was on-point. Twinning in all-black, the actress wore a black sports bra with matching tights and a sheer top and Jackky's wore a T-shirt and shorts.

Rakul and Jackky got married in an intimate wedding ceremony in Goa on February 21 this year. Earlier in May, Rakul Preet Singh decided to treat fans to a cute story of how her beau Jackky Bhagnani proposed to her before her wedding. Or, we should say how she 'forced' him to propose to her. In an interview with Zoom, she shared, "No one knows the proposal story. I forced him to make a proper proposal for me. I said, 'I am not walking down that

aisle till you propose. Because the shaadi date was fixed, the parents have met and wedding prep is going on. So why hasn't he proposed? I was like I need a story. I know we are getting married but I need a story for life.'

Rakul, then, went on to add that Jackky





Bhagnani proposed to her on their combined bachelor's trip in December 2023. In an interesting revelation, the actress divulged, "Bhumi (Pednekar) played a big role. Because she orchestrated it, I

couldn't guess."The actress was last seen in Indian 2 which had Kamal Haasan playing the lead role. Next, she will be seen in Meri Patni Ka Remake, co-starring Arjun Kapoor and Bhumi Pednekar. It is directed by Mudassar Aziz. The actress also has De De Pyaar De 2 in her kitty. It is expected to arrive in cinemas in May 2025.

